● वर्ष-2

● अंक-152

रायपुर, रविवार
12 फरवरी 2023

● पृष्ठ-6

● मूल्य-3 रु.

samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

अवकाश सूचना

समाचार पचीसा के कार्यलय में 12 फरवरी रविवार अवकाश रहेगा। समाचार पत्र का अगला अंक 14 फरवरी मंगलवार को प्रकाशित होगा।

कांग्रेस का नाम ही छलावा है-नड्डा

बस्तर पहुंचे भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष, बोले- बघेल को आराम दो और भारतीय जनता पार्टी को काम दो

जगदलपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि, कांग्रेस का नाम ही छलावा है। उनका एक-एक नेता लटकाना, भटकाना ही कांग्रेस की नीति है। कांग्रेस छलावे के लिए ही बनी है। वो लोगों को भटकाने के लिए बने हैं। उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ में भाजपा नेता सागर साहू की हत्या को लेकर कहा कि, जब से कांग्रेस की सरकार आई है, यहां नक्सली हमले बढ़ गए हैं। जब रमन सिंह की सरकार थी तो सुख-चैन था। कल तक मन बहुत उत्साहित था, जो कल रात घटना हुई, उससे मन बहुत द्रवित है। जेपी नड्डा शनिवार को जगदलपुर में सभा को संबोधित कर रहे थे।

लालबाग मैदान में हो रही जनसभा में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा ने कहा कि, क्या ये सच्चाई नहीं है, कि जब से भूपेश बघेल की सरकार आई है, नक्सली हमले बढ़े हैं। यह इनके प्रशासन के बारे में दर्शाता है। नड्डा ने ऐलान किया है कि 18 करोड़ भाजपा कार्यकर्ता स्व॰ सागर साहू, नीलकंठ कक्केम और बुधराम करटाम और उसके परिवार के साथ है। भाजपा प्रजातांत्रिक तरीके से नक्सलियों का मुकाबला करेगी। उन्होंने जनता का आव्हान किया कि भूपेश बघेल को आराम दो और भाजपा को काम दो क्योंकि मोदी जी छत्तीसगढ़ का विकास करना चाहते है लेकिन भूपेश और कांग्रेस उसमे रोड़ा बन रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर आने का मौका मिला। कल तक मन में बहुत उमंग थी कि आप सब

के दर्शन होंगे। लेकिन कल रात जो घटना घटी, उसने दिल को दहला दिया। मन दुखी हुआ, द्रवित हुआ।

नड्डा ने कहा कि जब डॉ. रमन सिंह की सरकार थी तो सुख, शांति, चैन और अमन था। सब लोगों के लिए काम हो रहा था। उन्होंने कहा कि, अब समय आ गया है कि बघेल को आराम दो और भारतीय जनता पार्टी को काम दीजिए। कहा कि, मैं डॉक्टर रमन के माध्यम से यह बताना चाहता हूं कि कांग्रेस का नाम ही छलावा है। कांग्रेस का कोई नेता यह करे तो अचरज की बात ही नहीं है।

नड्डा ने कहा कि, हम विकास के लिए बने हैं, वह विकास को अवरुद्ध करने के लिए बने हैं। हम लोगों के विकास को आगे बढ़ाने के लिए बने हैं, वह लोगों को भटकाने के लिए बढ़े हैं। उनका लक्ष्य है कि फूट-डालो और राजनीति करो। इसमें कोई अचरज की बात नहीं है। हम गर्व और गौरव से कह सकते हैं कि जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने तब छत्तीसगढ़ बना। उन्होंने जो कहा था, वह किया। मुझे याद है, जब स्वर्गीय राजीव गांधी और उनका परिवार यहां पिकनिक मनाने आते थे। जब वहां गर्मी ज्यादा हो गई, तो यहां का आनंद लेने आ जाते। कभी यहां के दूर-दराज के इलाकों की सुध नहीं ली।

रमन सिंह सरकार ने पावर कट फ्री स्टेट बनाया - उन्होंने कहा कि, रमन सिंह के समय में जो काम हुआ, उसे बताना चाहता हूं। उजाले का महत्व तभी समझ में आता था, जब अंधेरे में रहे हों। यहां बिजली नहीं आती थी। रमन सिंह सरकार ने छत्तीसगढ़ को पावर कट फ्री स्टेट बनाया। हम छाती ठोककर इस बात को कह सकते हैं। हम आपसे यह कहते हैं कि भूपेश का पावर कट कर दो। इस राज्य को आगे बढ़ाने का काम करो। जब रमन सिंह ने सरकार संभाली तो उस समय छत्तीसगढ़ का बजट सात हजार करोड़ का था। जब उन्होंने सरकार छोड़ी तो उस समय बजट 83 हजार 169 करोड़ का बजट था। यह है विकास की कहानी। काम करने वालों की कहानी।

आदिवासियों को वन अधिकार दिया- आप सबको मालूम है कि चावल एक रुपये में दिया गया और 48 लाख परिवारों को चावल बांटा गया। वन अधिकार, जमीन पर अधिकार अगर आदिवासियों का दिया तो रमन सिंह ने दिया। तीन लाख 35 हजार वन अधिकार पत्र बांटे गए। भाजपा सरकार में दंतेवाड़ा में प्रयास स्कूल खोला गया। छात्रावासी स्कूल खोला गया, जिसमें बच्चे-बच्चियों को पढ़ने के लिए व्यवस्था की गई है। आदिवासियों भाइयों की पढ़ाई के लिए विशेष स्कूल खोले गए। दंतेवाड़ा में एजुकेशन सिटी खोली गई। इसमें 13 विभिन्न संस्थान खुले, उसमें एक इंजीनियरिंग कॉलेज भी खुला। गौरव से कह सकता हूं कि जगदलपुर में मेडिकल कॉलेज खोला।

भूपेश विकास रोकने का अपराधी-रमन

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने भाजपा सरकार के विकास कार्यों की याद दिलाते हुए भूपेश बघेल सरकार पर जमकर हमला बोला । उन्होंने कहा कि ये चमचमाती हुई सड़कें जो प्रदेश में बनी है वो भाजपा की ही देन है भूपेश बघेल खुद कहता है मैं सड़कें ,हाईवे ब्रिज स्कूल ,अस्पताल ,नहीं बनाऊंगा विकास करना कांग्रेस के बस की बात नहीं। बस्तर को अच्छी सड़कें देने वाली,बस्तर में रोशनी देने वाली, अच्छी शिक्षा देने वाली, गरीबों को 1 किलो रुपए चावल देने वाली भाजपा की सरकार है। जनता का हक कन्यादान योजना, तीरथ योजना, चरण पादुका योजना बंद करने वाली भूपेश बघेल सरकार है। भूपेश बघेल और कांग्रेस बस्तर में विकास रोकने की अपराधी है। बस्तर ने जब जब स्नेह दिया है। तब तब कमल खिला है और बस्तर में कमल खिल गया तो छत्तीसगढ़ में कमल खिलने से कोई नहीं रोक सकता।

अंतरराष्ट्रीय संस्था की चेतावनी, अफसर बोले-

भारत की आपदा से निपटने की तैयारी हुई बेहतर

नई दिल्ली। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि आपदा से निपटने की भारत की तैयारी पहले के मुकाबले काफी बेहतर हुई है लेकिन कई ऐसे कारण हैं, जिनके चलते भारत में आपदा का खतरा है। आईयूसीएन में भारत के प्रतिनिधि यशवीर भटनागर का कहना है कि हिमालय की भंगुरता, बढ़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचा, देश में जोशीमठ जैसी घटनाओं के लिए जिम्मेदार हैं। बता दें कि जोशीमठ को भू-धंसाव प्रभावित क्षेत्र घोषित कर दिया गया है, वहां जमीन में बड़ी-बड़ी दरारें उभर आई हैं, जिसके चलते कई रिहायशी और व्यवसायिक इलाकों को खाली करा लिया गया है। यशवीर भटनागर ने बताया कि चाहे बाढ़ हो या बादल फटने की घटनाएं या फिर जोशीमठ जैसी घटनाएं , इनके पीछे बढ़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचा में विस्तार और हिमालय की भंगुरता प्रमुख वजह हैं। उन्होंने कहा कि बतौर पर्यावरण कार्यकर्ता, हम नहीं चाहते कि विकास कार्य रुक जाएं लेकिन हम चाहते हैं कि विकास कार्य इस तरह किए जाएं कि इनसे पर्यावरण को नुकसान ना पहुंचे।

इसरो की सैटेलाइट इमेज से खुलासा हुआ है कि जोशीमठ भू-धंसाव के चलते अपनी जगह से 5.4 सेंटीमीटर खिसक गया है। माना जा रहा है कि इसके पीछे की वजह हिमालयी क्षेत्र में चल रहा चार धाम प्रोजेक्ट का काम है, जिसके तहत सरकार चारों धामों को जाने के लिए सभी मौसम के अनुकूल सड़क का निर्माण करा रही है ताकि उत्तराखंड में पर्यटकों की संख्या बढ़ सके।

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज रायपुर जिले के अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तामासिवनी और खोरपा में आम जनता से भेंट-मुलाकात के पश्चात शाम को अभनपुर विश्राम भवन में विभिन्न समाज एवं संगठनों के प्रतिनिधिमंडल से भेंट-मुलाकात की। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से अभनपुर नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने मुलाकात कर अभनपुर नगर पालिका घोषित किए जाने पर उनका गजमाला पहनाकर आभार व्यक्त किया। नेकी की कुटिया, सतनाम भवन के दिव्यांग बच्चों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

नेहरू सरनेम पर सियासत, कांग्रेस ने आलोचना की

■ भाजपा का पलटवार, कहा- गर प्रियंका वाड्रा के बेटे रेहान राजीव गांधी हैं तो...

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राज्यसभा में अपने भाषण में कहा था कि उन्हें समझ नहीं आता कि गांधी परिवार में से कोई भी नेहरू सरनेम का इस्तेमाल क्यों नहीं करता। इस टिप्पणी से विवाद पैदा हो गया। कांग्रेस ने इस बयान की कड़ी आलोचना की है। यह विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है, क्योंकि सोशल मीडिया पर तमाम नेता इसको लेकर टिप्पणी कर रहे हैं। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के बेटे का जिक्र करते हुए

भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि वह (रेहान) अपना नाम रेहान राजीव गांधी लिखते हैं। उन्होंने कहा, अगर प्रियंका वाड्रा के बेटे रेहान अपना नाम रेहान राजीव गांधी लिख सकते हैं तो परिवार में कोई भी नेहरू सरनेम का इस्तेमाल क्यों नहीं करता? शर्म आती है?

आंध्र प्रदेश के भाजपा नेता विष्णु वर्धन रेड्डी ने ट्वीट किया, कल से कांग्रेसी चिल्ला रहे हैं कि गढ़ी परिवार अपने पिता के सरनेम का इस्तेमाल कर रहा है, लेकिन हम इतिहास को टटोलें तो यह घांडी है और गांधी नहीं। इसके अलावा प्रियंका गांधी के बेटे अपने नाना के नाम का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं। रेहान राजीव गांधी बन गए? इस बहस के बीच फिरोज गांधी के कथित जन्म प्रमाण पत्र की तस्वीर भी वायरल हो रही है, जो बार्टिल फॉक की किताब फिरोज द फॉरगॉटन गांधी से ली गई है। इसकी स्पेलिंग गांधी है।

इससे एक दिन पहले कांग्रेस ने पीएम मोदी पर निशाना साधा था और पूछा था कि भारत में कौन अपने नाना के सरनेम का इस्तेमाल करता है। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा था, जो इस तरह के जिम्मेदार पद पर बैठा है, वह भारत की संस्कृति को जानता-समझता नही हैं..आप देश में किसी भी व्यक्ति से पूछ सकते हैं कि नाना के सरनेम का इस्तेमाल कौन करता है? प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में अपने भाषण के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा था, अगर हमारे द्वारा नेहरू जी का नाम छोड़ दिया जाता है, तो हम अपनी गलती सुधार लेंगे, क्योंकि वह देश के पहले प्रधानमंत्री थे। लेकिन मुझे समझ नहीं आता कि उनके परिवार का कोई भी व्यक्ति नेहरू सरनेम रखने से क्यों डरता है? क्या नेहरू सरनेम होने में कोई शर्म है? शर्म की बात क्या है? जब एक परिवार ऐसे महान व्यक्तित्व को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है, तो आप हमसे क्यों सवाल करते रहते हैं।

प्रमुख समाचार

अदाणी विवाद के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता बरकरार

नई दिल्ली। अदाणी समूह के मुद्दे पर विपक्ष के जोरदार हमले के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता बरकरार है। शुक्रवार को जारी अनुमोदन रेटिंग में यह सामने आया है कि लगभग दो तिहाई लोगों ने मोदी सरकार के कामकाज को लेकर संतोष जताया है। विपक्षी दल सरकार पर उद्योगपति गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले अदाणी समूह को अनुचित समर्थन देने का आरोप लगाते हुए संसद में पिछले तीन दिनों तक जमकर हंगामा किया और कार्यवाही नहीं चलने दी। अमेरिकी शॉर्ट सेलर की आक्रामक रिपोर्ट के बाद अदाणी समूह के बाजार मूल्य में 110 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। गौतम अदाणी अमीरों की सूची में भी पीछे खिसक गए हैं। इस साल कुछ राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव और 2024 के आम चुनाव से पहले कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने अदाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में गिरावट का मुद्दा बना लिया है और सरकार पर अदाणी को बचाने का आरोप लगा रहे हैं। विपक्ष की तरफ से इस पूरे मामले की संयुक्त संसदीय समिति से जांच कराने की मांग की जा रही है।

वंदे भारत एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी

हैदराबाद। तेलंगाना के महबूबाबाद जिले में अज्ञात लोगों द्वारा सिकंदराबाद से विशाखापत्तनम जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस पर शुक्रवार को पत्थरबाजी करने की घटना सामने आई है। रेलवे अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मामले का संज्ञान लिया है और जांच जारी है। वंदेभारत एक्सप्रेस को नुकसान या खिड़कियों के शीशें टूटने के सवाल पर अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''इसका (नुकसान) आकलन ट्रेन के विशाखापत्तनम पहुंचने पर किया जाएगा।'' अधिकारियों नेप्राथमिक जांच के आधार पर बताया कि संदेह है कि कुछ बच्चों ने ट्रेन पर पत्थरबाजी की होगी, लेकिन जांच जारी है। एक अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और रेलवे पुलिस ने स्वत॰ संज्ञान लेकर मामला दर्ज किया है। गौरतलब है कि पिछले महीने वंदे भारत को आधिकारिक रूप से शुरू करने से पहले भी विशाखापत्तनम के रेलवे यार्ड में इस ट्रेन के डिब्बों पर पत्थरबाजी की गई थी जिससे एक खिड़की का शीशा टूट गया था।

भूकंप से मौत का आंकड़ा 26 हजार के पार पहुंचा

तुर्की। सीरिया भूकंप से मरने वालों की संख्या 26,000 को पार कर गई है, जबकि कई अभी भी लापता हैं। तुर्की में आए 7.8 तीव्रता के भूकंप और कई बड़े झटकों के बाद कहारनमारस, हटाई, ग़ज़ियांटेप और नूरदागी सहित सबसे अधिक प्रभावित शहरों में बहुमंजिला इमारतें, घर, मॉल और कार्यालय धूल और मलबे में तब्दील हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र सहायता प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ्स ने शनिवार को दक्षिणी तुर्की और उत्तर-पश्चिमी सीरिया में आए विनाशकारी भूकंप को इस क्षेत्र में 100 वर्षों में सबसे खराब घटना बताया। बचाव अभियान शनिवार को भी जारी रहा और भूकंप के सौ घंटे से भी अधिक समय बाद शुक्रवार को मलबे से एक दर्जन लोगों को जीवित निकाला गया। मीडिया के अनुसार सीरियाई राष्ट्रपति बशर असद और उनकी पत्नी असमा ने अलेप्पो विश्वविद्यालय अस्पताल में जीवित बचे लोगों से मुलाकात की। आपदा के बाद से यह देश के किसी प्रभावित क्षेत्र में नेता की पहली सार्वजनिक उपस्थिति थी। संयुक्त राष्ट्र, सीरियन रेड क्रीसेंट और अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस की मदद से उन लोगों को सहायता मिलेगी जिन्हें इसकी आवश्यकता है।

बीजेपी अध्यक्ष का ऐलान, सत्ता में आने पर निजामों के प्रतीक को हटा देंगे

हैदराबाद। तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष बंदी संजय कुमार ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर निजामों के प्रतीक को हटा दिया जाएगा। संजय बंदी का इशारा राज्य सचिवालय के गुंबदनुमा बिल्डिंग की ओर था। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी तेलंगाना में सत्ता में आती है, तो वह नवनिर्मित राज्य सचिवालय के गुंबदों को ध्वस्त कर देगी, जो निज़ामों की संस्कृति को दर्शाता है। जनम गोसा-बीजेपी भरोसा कार्यक्रम के तहत कुकटपल्ली विधानसभा क्षेत्र की सीमा के तहत ओल्ड बोइनपल्ली में पार्टी की नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए बंदी संजय ने कहा कि अगर राज्य में बीजेपी सरकार चुनी जाती है, तो यह सभी प्रकार के ढांचों को मिटा देगी। जो निजाम शासन की गुलामी के प्रतीक हैं। कुमार ने कहा कि भारत राष्ट्र समिति नीत सरकार द्वारा बाबासाहेब आंबेडकर के नाम पर सचिवालय भवन का उद्घाटन 14 अप्रैल को आंबेडकर की जयंती पर किया जाना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर में मिला लिथियम और सोने का विशाल भंडार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर को भारत माता का मुकुट कहा जाता है और मुकुट स्वर्ण तथा हीरों से जड़ित होता ही है। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में जिस तरह लिथियम और सोने के भंडार पाये गये हैं वह दर्शा भी रहे हैं कि भारत माता के इस मुकुट को प्रकृति ने खूब संपदा दी है। हम आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि रियासी जिले के सलाल-हैमाना क्षेत्र में करीब 59 लाख टन लिथियम का भंडार और सोने के 5 ब्लॉक मिले हैं। दरअसल लिथियम एक अलौह धातु है और ईवी रिचार्जेबल बैटरी के निर्माण में काम आती है। केवल ईवी बैटरी ही नहीं, बल्कि विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे लैपटॉप, स्मार्टफोन, कैमरा और कई अन्य चीजों में भी बैटरी के लिए लिथियम का ही उपयोग किया जाता है। भारत जिस तरह से इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर कदम बढ़ा रहा है और जिस तेजी के साथ यहां इलेक्ट्रिक उपकरणों की मांग बढ़ रही है उसको देखते हुए लिथियम बहुत उपयोगी धातु है। लिथियम को एक रेअर अर्थ एलिमेंट माना जाता है और यह दुनिया के कुछ ही देशों में उपलब्ध है।

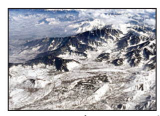

गरीब हो रहे हैं दुनिया के सुपररिच अमीर

संदीप अग्रवाल

पिछले साल नवंबर में आई ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इन्डेक्स के मुताबिक 2022 के पहले दस महीनों में, दुनिया के टॉप 20 अमीरों की दौलत 50 हजार करोड़ डॉलर घट चुकी थी। अपनी नेटवर्थ में भारी गिरावट देखने वालों में मार्क जुकरबर्ग, लैरी एलिसन और बिल गेट्स जैसे टेक दिग्गज भी शामिल थे तथा एलन मस्क, जेफ बेजोस व जैक मा जैसे अति सफल कारोबारी भी। इन्होंने अपनी दौलत भी गंवाई और शीर्ष अमीरों की सूची में अपनी पोजीशन भी।

इससे पहले जुलाई में भी ऐसी ही रिपोर्ट आई थी जिसमें बताया गया था कि वर्ष 2022 की पहली छमाही में विश्व के 500 सबसे अमीर लोगों की सम्पत्ति 1.4 ट्रिलियन डॉलर घटी।

दिलचस्प बात यह है कि ये वही सुपर रिच थे, जिन्होंने कोरोना जैसी विश्वव्यापी महामारी तक को अपनी कमाई पर हावी नहीं होने दिया था। उल्टे जब गरीब लोग अपनी जीविका खो रहे थे, मध्यवर्ग गरीब हो रहा था, तब भी इनकी दौलत करिश्माई तरीके से लगातार बढ़ रही थी। भारतीय अमीरों पर तो लक्ष्मी कुछ ज्यादा ही मेहरबान थी। ऑक्सफैम की जनवरी 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2020 में देश के गरीबों की संख्या दोगुनी होकर 13.4 करोड़ हो गई थी। वहीं देश में अमीरों की आमदनी दोगुनी हो चुकी थी। इस दौरान देश में 40 नए अरबपति बने और देसी अरबपतियों की संख्या बढ़कर 142 हो गई। इस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि मार्च 2020 के बाद से विश्व के शीर्ष दस अमीरों की संयुक्त सम्पत्ति 552 खरब रुपये से बढ़कर 1184 खरब रुपये हो गई थी। अकेले एलन मस्क की सम्पत्ति में इस दौरान सबसे तेज, 1000त्न की वृद्धि दर्ज की गई थी। रिपोर्ट का कहना था कि तब अरबपतियों की सम्पत्ति प्रति दिन 2.7 अरब डॉलर बढ़ रही थी। लेकिन 2022 ने तस्वीर बदल कर रख दी।

जारी है गिरावट का दौर शास्त्रों में लक्ष्मी को चंचला कहा गया है। इस समय वह दुनिया भर के धनकुबेरों को अपने इसी स्वभाव से परिचित करा रही है। शीर्ष अमीरों की सम्पत्ति में गिरावट का दौर जारी है। 2022 में अरबपतियों की आमदनी ही नहीं बल्कि संख्या भी कम हुई है। इस एक वर्ष में विश्व में 87 अरबपति कम हो गये। साठ फीसदी की सम्पत्ति कम हुई तो चालीस फीसदी की सम्पत्ति बढ़ी। जिस समय टॉप अरबपति नेटवर्थ घटने से परेशान थे, एक हजार अरबपति ऐसे भी थे, जिन्होंने 2021 की तुलना में 2022 में ज्यादा कमाई की।

ब्लूमबर्ग की हालिया रिपोर्ट में 27 जनवरी से 6 फरवरी के बीच सर्वाधिक अमीरों की नेटवर्थ में आई घटत के बारे में बताया गया है। इस अवधि में दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति बर्नार्ड अर्नाल्ट, बिल गेट्स, वारेन बफेट, मुकेश अंबानी (सब एक- एक बिलियन डॉलर), मार्क जकरबर्ग (1.6 बिलियन डॉलर), लैरी पेज, सर्जेई बिन, जेफबेजोस (दो-दो बिलियन डॉलर), एलन मस्क (सात बिलियन डॉलर) व गौतम अडाणी (33.7 बिलियन डॉलर) इस हफ्ते के सबसे बड़े लूजर साबित हुए। एक सप्ताह में जितना नुकसान इस सूची में शामिल बाकी सारे धनिकों ने संयुक्त रूप से उठाया, उसका करीब दोगुना धन, इस अवधि में अकेले अडाणी ने ने गंवाया। ऐसे कम होती है नेटवर्थ जब कोई कंपनी बनती है तो उसका कोई मालिक या फाउंडर होता है। जब कंपनी को अपने व्यवसाय को फैलाने के लिए धन की आवश्यकता होती है तो वह आईपीओ लाकर शेयर बाजार से पैसा जुटाती है। जो भी ये शेयर खरीदते हैं, वे सभी कंपनी के कुछ न कुछ अंश के मालिक बन जाते हैं। लाभ के लिए, और कंपनी पर अपना स्वामित्व बनाए रखने के लिए, जो उसके मालिक, फाउंडर या प्रमोटर होते हैं, वे शेयरों का एक बड़ा हिस्सा खरीद लेते हैं। जब इन शेयरों की कीमतों में उछाल आता है तो उनकी नेट वर्थ भी बढ़ने लगती है और जब शेयर गिरते हैं तो नेटवर्थ गिर जाती है। अधिकतर तो यह उतार-चढ़ाव बाजार के हिसाब से स्वाभाविक ढंग से होता है, लेकिन कई बार कुछ राजनीतिक, सामाजिक, या अन्य आकस्मिक कारण एकाएक ही भारी उछाल या गिरावट का सबब बन जाते हैं। जैसा कि गौतम अडाणी के मामले में हुआ। हिंडनबर्ग की एक नेगेटिव रिपोर्ट से, उनकी कंपनी के शेयर होल्डर्स का भरोसा डगमगा गया और उन्होंने धड़ाधड़ शेयर बेचने शुरू कर दिए। इससे शेयरों की कीमत बेतहाशा गिर गई और अडाणी की निजी सम्पत्ति का भी काफी नुकसान हुआ। मंगलवार से फिर से अडाणी समूह की कई कंपनियों के शेयरों मे तेजी का रुझान देखने को मिल रहा है और उनकी रैंकिंग में सुधार आने की संभावनाएं काफी बढ़ गयी हैं।

एक धरती पर दो दुनिया अगर धन के स्वामित्व के हिसाब से देखा जाये तो इस पृथ्वी पर दो दुनियाएं हैं। एक अमीरों की दुनिया और दूसरी गरीबों की दुनिया। दोनों दुनियाएं बेशक समांतर नजर आती हों, लेकिन दोनों के बीच खाई बहुत चौड़ी है। विश्व असामानता रिपोर्ट, 2021 का दावा है कि दुनिया के आधे लोग ऐसे हैं, जो विश्व की सारी दौलत में सिर्फ दो प्रतिशत की हिस्सेदारी रखते हैं। 76 प्रतिशित सम्पत्ति एक प्रतिशत सबसे अमीर लोगों के पास है और बाकी की 22 प्रतिशत मध्यवर्गीय लोगों के पास। इन एक प्रतिशत की यह दौलत अगर विश्व के सभी लोगों में बराबर बाँट दी जाये तो हर व्यक्ति के हिस्से में करीब साठ लाख रूपये आयेंगे।

सोनपुरी पहुंचा हाथी का समूह लोगों को दूर रहने की सलाह

कोरबा। हरदीबाजार क्षेत्र में विचरण कर रहे हाथियों का झुंड अब सर्वमंगला मंदिर के समीप स्थित सोनपुरी गांव में पहुंच गया है और हसदेव नदी के किनारे तराई में डेरा डाल दिया है। आज सुबह हाथियों के दल को यहां पर मंडराते हुए देखा गया जिससे ग्रामीणों में अफरा.तफरी मच गई। तत्काल इसकी सूचना वन विभाग के साथ.साथ पुलिस को भी दी गई जिस पर वन विभाग के अधिकारी.कर्मचारी तथा पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर हाथियों की निगरानी में जुट गई है।

वहीं हाथियों को देखने ग्रामीणों की भीड़ भी एकत्रित हो गई है। बड़ी संख्या में हाथियों के शहर के निकट आने से वन अमला अलर्ट हो गया है। क्षेत्र में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सतर्क किया जा रहा है। खबरों के मुताबिक हरदीबाजार क्षेत्र में विचरण कर रहा हाथियों का झुंड रात को जिला जांजगीर–चांपा की ओर निकल पड़ा था लेकिन रास्ते में ग्रामीणों द्वारा पटाखा फोड़ दिए जाने तथा हाथियों का रास्ता रोक दिए जाने से झुंड जंगल की ओर जाने की बजाय फिर से रिहायशी क्षेत्र की ओर रूख कर गया और आज तड़के सर्वमंगला मंदिर के निकट स्थित ग्राम सोनपुरी पहुंच गया। गांव के आसपास विचरण करने के बाद सड़क को पार करते हुए हसदेव नदी के किनारे डेरा डाल दिया।

बताया जाता है कि सुबह जब बड़ी संख्या में ग्रामीण नदी में नहाने पहुंचे तो वहां हाथियों को देखकर उनके होश उड़ गए। गांव में अफरातफरी मच गई। कई ग्रामीणों ने भागकर जान बचाई और तत्काल इसकी सूचना वन विभाग व पुलिस को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी.कर्मचारी तथा पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और हाथियों की निगरानी में जुटने के साथ ही आसपास के गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सतर्क किया। कोरबा शहर के नजदीक स्थित गांव में हाथियों के झुंड आ जाने से दहशत की स्थिति देखी जा रही है। वहीं हाथियों को देखने के लिए मौके पर लोगों का मजमा लग गया है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची वन विभाग व पुलिस की टीम लोगों को समझाईश दे रही है। ग्रामीणों की भीड़ देखकर वन विभाग के साथ ही पुलिस भी परेशान है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक हाथियों का झुंड हसदेव नदी की तराई पर बैठे हुए हैं और उनकी लगातार निगरानी की जा रही है। जानकारी यह भी मिली है कि हाथियों के झुंड में कुल 11 हाथी शामिल हैं जिसमें एक बेबी एलीफेंट भी है। यह झुंड बीती रात जांजगीर.चांपा के जंगल की ओर जाने वाला था और छातापाठ के करीब भी पहुंच गया था लेकिन ग्रामीणों ने रात को इस कदर पटाखा फोड़ा कि हाथियों ने रास्ता ही बदल दिया और कोरबा शहर के करीब सोनपुरी गांव में पहुंच गया। डीएफओ भी मौके पर पहुंचे आज सुबह 6.30 बजे जब हाथियों के झुंड के शहर के नजदीक आने की जानकारी कोरबा डीएफओ अरविंद पी.एम. को मिली तो वे तत्काल मौके पर पहुंचे और काफी देर तक वहां उपस्थित रहकर लोगों को हाथियों से दूर रहने की सलाह देते हुए अपने मातहतों को निगरानी संबंधी निर्देश देते रहे। वहीं वन विभाग के अधिकारी समेत 15 का अमला तथा उरगा थाने से एएसआई उइके के नेतृत्व में पुलिस बल घटना स्थल पर ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए जुटा हुआ है जबकि ग्राम सोनपुरी सर्वमंगला चौकी क्षेत्रांतर्गत होने के कारण चौकी प्रभारी कृष्णा साहू के निर्देशन में प्रधान आरक्षक क्रमशः लक्ष्मी प्रसाद रात्रे तथा सिलवेस्टर मिंज एवं नगर सैनिक सुखनंदन टंडन भी तड़के 6 बजे से वहां लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। पुलिस विभाग के अमले ने वन विभाग के अधिकारियों एवं उनके मातहतों के साथ संयुक्त रूप से अपनी सहभागिता निभाते हुए ग्रामीणों को हाथियों के पास जाने से रोकने के लिए लगातार समझाईश देने का अभियान जारी रखा है।

चार सूत्रीय मांगों को लेकर नर्सिंग स्टाफ ने किया प्रदर्शन

कोरबा। चार सुत्रीय मांगो को लेकर मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल की स्टाफनर्स आंदोलन की राह पर चल पड़ी है। वेतन में बढोत्तरी के साथ ही कर्मचारियों की कमी को लेकर उन्होंने चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करने का निर्णय लिया है जिसके तहत पहले दिन उनके द्वारा काली पट्टी लगाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। मांगे पूरी नहीं होने की स्थिती में 15 फरवरी से वे सामुहिक अवकाश पर चली जाएंगी।

मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल में कार्यरत स्टाफनर्सेज ने अपनी मांगों पर गंभीरता नही दिखाने से कुपित होकर स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ मोर्चा खोलने की मानसिकता बनायी है। वेतन में बढोत्तरी के साथ ही नर्सों की कमी सहित चार सुत्रीय मांगो को को लेकर उनके द्वारा काली पट्टी लगाकर अस्पताल परिसर में एक घंटे तक प्रदर्शन किया गया। अगले दो दो दिनों तक उनके द्वारा इसी तरह का विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इसी के साथ चरणबद्ध तरीके से आंदोलन शुरू किया जाएगा। तय किया गया है कि 15 फरवरी से सभी सामुहिक अवकाश पर चली जाएंगी। स्टाफ नर्स का कहना है, कि महंगाई के इस दौर में उनका वेतन आज भी काफी कम है। चिकित्सक अगर हड़ताल करते हैं, तो उनके वेतन में बढोत्तरी कर दी जाती है लेकिन नर्सों की मांगो पर किसी तरह का ध्यान नहीं दिया जाता। इसी तरह प्रदेश के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज तो खोला जा रहा है लेकिन नर्सों की भर्ती को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है जिसके कारण उन्हें अतिरिक्त ड्युटी करनी पड़ती है। व्यवस्थागत खामियों को लेकर बताया गया है कि 40 मरीजों के पीछे केवल एक नर्स ही है। नर्सिंग स्टाफ का कहना है कि भत्तों में बढोत्तरी के साथ ही पदनाम में भी बदलाव की मांग उनके द्वारा की जा रही है। स्टाफ नर्स एक तरह से अस्पताल के रीढ़ की हड्डी हैं अगर वे हड़ताल पर चली जाएंगी तो स्वास्थ्य सुविधा पूरी तरह से ठप्प हो सकती है। आंदोलन से बचने के लिए विभाग क्या कुछ कदम उठाता है, इसका इंतजार है।

भाजपा जिला प्रभारी ने कोरबा जिले की चारों विधानसभा का किया दौरा

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिला प्रभारी श्याम बिहारी जयसवाल कोरबा जिले के तूफानी दौरे पर हैं। दौरे के प्रथम दिवस 9 फरवरी को जायसवाल ने पाली तानाखार और कटघोरा विधानसभा की बैठक ली ।

दौरे के द्वितीय दिवस जिले के प्रभारी रामपुर विधानसभा के उरगा मंडल पहुंचे जहां ग्राम बुंदेली में आयोजित मंडल के कार्यसमिति बैठक में उन्होंने शिरकत की । मंडल की कार्यसमिति में उन्होंने कार्यकर्ताओं को रिचार्ज करते हुए कहा कि रामपुर क्षेत्र की जनता भाजपा के साथ है । भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए हर संभव प्रयत्न करें और इसके लिए यदि कोई बड़ा आंदोलन भी करना पड़े तो भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उसके लिए कमर कस लें। मंडल की कार्यसमिति बैठक के पश्चात रामपुर विधानसभा के कोर समिति की बैठक भी आयोजित हुई। रामपुर विधानसभा की कोर कमेटी की बैठक में जिला प्रभारी श्याम बिहारी जयसवाल के साथ–साथ, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, जिला सह प्रभारी गोपाल साहू, विधानसभा प्रभारी कैलाश साहू, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र पांडे, जिला महामंत्री टिकेश्वर राठिया सहित जिले के अन्य अपेक्षित पदाधिकारी तथा सभी मंडलों के अध्यक्ष शामिल हुए।

दिन के दूसरे सत्र में जिला प्रभारी श्याम बिहारी जयसवाल कोरबा विधानसभा के बालकों मंडल पहुंचे । बालकों में आयोजित भाजपा मंडल कार्यसमिति की बैठक में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यकर्ताओं ने आत्मीय भाव से जिला प्रभारी श्याम बिहारी जयसवाल का स्वागत किया । कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्याम बिहारी जयसवाल ने कहा कि भले ही कोरबा विधानसभा की सीट भाजपा के पास नहीं है लेकिन कोरबा की जनता भाजपा के साथ हैं। कोरबा विधानसभा की जनता स्थानीय विधायक की अकर्मण्यता से ऊब चुकी है तथा चुनाव का इंतजार कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि कोरबा में जितनी उन्नति होनी चाहिए वह उन्नति कही भी दिखाई नहीं देती है। उसकी जगह केवल राखड़, धुआ, प्रदूषण, खराब सड़कें और अन्य समस्याएं ही नजर आती हैं। मंडल कार्यसमिति की बैठक के पश्चात कोरबा विधानसभा के कोर समिति की बैठक आयोजित की गई।

अचानक धौंराभांठा पहुँचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

■ किसान नेता व डायरेक्टर अपेक्स बैंक राकेश ठाकुर के निवास पहुंचे

पाटन। गुरुवार को मुख्यमंत्री भुपेश बघेल कवर्धा जिले के दौरे पर थे जहां वे स्थानीय कार्यक्रम में शामिल हुवे लेकिन अचानक दोपहर 12.30 बजे ग्राम धौंराभांठा निवासी किसान नेता एवं अपेक्स बैंक के डायरेक्टर राकेश ठाकुर को मुख्यमंत्री ओएसडी आशीष वर्मा का फोन आया और बताया गया कि मुख्यमंत्री आज आपके निज निवास ग्राम धौंराभांठा आ रहे है। जिस वक्त सीएम के आने की खबर मिली किसान नेता व अपेक्स बैंक के डायरेक्टर राकेश ठाकुर नया रायपुर स्थित अपेक्स बैंक में बोर्ड की मीटिंग में थे, श्री ठाकुर ने तत्काल परिजनों व कार्यकर्ताओं को सूचना देकर निज निवास ग्राम धौंराभांठा के लिए रवाना हुवे, जब तक श्री ठाकुर निवास पहुंचते तब तक सीएम सुरक्षा के अधिकारीगण व प्रशासनिक अमला उनके निवास पहुंच चुके थे, कार्यकर्ताओ व ग्रामीणों की भीड़ लग चुकी थी।

बताया जा रहा है की विगत दिनों से श्री ठाकुर के निवास मुख्यमंत्री के आगमन होने की अटकलें लगाई जा रही थी। गुरुवार को मुख्यमंत्री के पहुंचते ही श्री ठाकुर ने परिवारजन सहित कार्यकर्ताओ के साथ मुख्य द्वार पर आरती थाल से पूजा कर व गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया। मुलाकात के दौरान देखा गया कि मुख्यमंत्री परिवारजन सहित कार्यकर्ताओं से काफी मजाकिया व पारिवारिक अंदाज में बात कर रहे थे, उन्होंने बातों ही बातों में कहा की व्यस्तता के कारण काफी समय से धौंराभांठा नही पहुच पाया था आज समय मिलते ही आप सभी के बीच आया हूँ।

इस तरह से अचानक कांग्रेस कार्यकर्ता के घर मुख्यमंत्री का जाना चर्चा का विषय है , मायने कई तरह के निकाले जा रहे है किंतु मुख्यमंत्री के संवेदनशील व सरलता की लोग काफी तारीफकर रहे है कि एक कार्यकर्ता के घर सहजता से मुलाकात करने जाना एक संवेदनशील मुख्यमंत्री की पहचान है। इस दौरान मुख्यमंत्री ओएसडी आशीष वर्मा, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष राजेन्द्र साहू, कृषि उपज मंडी दुर्ग के अध्यक्ष अश्वनी साहू, साख सहकारी समिति के अध्यक्ष जवाहर वर्मा, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पाटन के अध्यक्ष महेंद्र वर्मा,लक्ष्मण चन्द्राकर, विकास दुबे, जिलापंचायत उपाध्यक्ष अशोक साहू, अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जामगांव– आर राजेश ठाकुर, जोन प्रभारी भेष आठे, हरीश ठाकुर, जनपद सदस्य अंशु रजक,पहंडोर सोसायटी अध्यक्ष पुरुषोत्तम तिवारी, शाकंभरी बोर्ड के सदस्य पवन पटेल, पालेश्वर ठाकुर, लोचन यादव, किसन भारती, सरपंच श्रीमती बिंदेस्वरी मेश्राम, उप सरपंच राजेश्वरी शेखर चंद्राकर, पंच ऐस कुमार यादव, छबि ठाकुर, कुणाल मिथलेश, भरत साहू, सहित अन्य मौजूद थे।

डुंडेरा तालाब का होगा गहरीकरण महापौर ने किया भूमिपूजन

रिसाली। ग्रामीण परिवेश वाले डुंडेरा वार्ड 36 में जल संवर्धन के लिए नगर पालिक निगम रिसाली ने 5 लाख की राशि स्वीकृत की है। महका रोड स्थित तालाब का गहरीकरण किया जाएगा।

महापौर शशि सिन्हा, पीसीसी महामंत्री जितेन्द्र साहू व एमआईसी सद्स्य चन्द्रभान ठाकुर ने शुक्रवार को भूमिपूजन किया। दरअसल डुंडेरा पूर्व स्थित तालाब की गहराई बेहद कम है। यही वजह है कि बारिश के समय तालाब में जमा पानी या तो ढलान की दिशा में बह जाता है या फिर अल्प समय में सूख जाता है। तालाब होने के बाद भी ग्रामीणों को निस्तारी के लिए अन्य स्त्रोत पर निर्भर रहना पड़ता है। तालाब गहरीकरण होने से ग्रामीणों को निस्तारी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। तालाब को लगभग 5 फीट गहरा किया जाएगा। भूमिपूजन कार्यक्रम में महापौर परिषद के सद्स्य गोविंद चतुर्वेदी, अनुप डे, चन्द्रप्रकाश सिंह निगम, सोनिया देवांगन, सनीर साहू, ईश्वरी साहू, पार्षद रोहित धनकर, एल्डरमेन तरूण बंजारे समेत ब्लाक कांग्रेस महामंत्री चन्द्रकांत कोरे व ग्रामीण मौजूद थे।

महज दो माह में तालाब सूखने से परेशान नागरिकों ने तालाब गहरीकरण करने क्षेत्रीय विधायक व प्रदेश के गृह एवं लोकनिर्माण विभाग मंत्री ताम्रध्वज साहू से मांग की थी। नागरिकों की इस मांग को गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने प्रस्ताव तैयार करने निगम आयुक्त आशीष देवांगन ने निर्देश दिए थे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

आम आदमी पार्टी ने की जिले में ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति

कोरबा। आम आदमी पार्टी छतीसगढ़ ने लोकसभा अध्यक्ष एवं सचिव के बाद प्रदेश में 455 ब्लॉक अध्यक्षों की घोषणा की है। दिल्ली के बुराड़ी विधायक एवं प्रदेश प्रभारी संजीव झा के दिशा.निर्देश पर राज्य में पार्टी अपना संगठित ढांचा तैयार कर रही है। इसके तहत् जिला अध्यक्ष चंद्रकांत डिक्सेना एवं जिला सचिव गौरव यादव ने कोरबा के चारों विधानसभा कोरबा, रामपुर, कटघोरा, पाली तानाखार में भी 21 ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की है। प्रत्येक विधानसभा को पांच ब्लॉक में विभाजित किया गया है। कोरबा विधानसभा से बालको सपन सिंह बहादुर, कोरबा कन्हैया लाल राठौर, एनटीपीसी अमित उपाध्याय, एसईसीएल बिजय साहू, कुसमुंडा सतीश चंद्रा, रामपुर विधानसभा से रामदुलारी, दिलेश कुमार, ठाकुर राम कंवर, रमेश कुमार मिरी, दया रामए कटघोरा विधानसभा से डॉ.सपुरन दास महंत, दीपक तंवर, राकेश कश्यप, हसनैन अंसारी, सहेन्द्र दास महंत व पाली–तानखार से बिरिज लाल मार्को, लक्ष्मी प्रसाद, विदयाराज, शेरसिंह, भोला राम सोनवानी, भरत यादव नियुक्त किए गए हैं।

आउटसोर्सिंग व ठेका प्रथा का होगा विरोध : आरसी चेट्टी

कोरबा। राज्य बिजली कंपनी में आउटसोर्सिंग व ठेका प्रथा को बढ़ावा देने का पुरजोर विरोध किया जाएगा। बिजली कर्मचारी संघ.फेडरेशन संपर्क अभियान से कंपनी के कर्मचारियों की मांगों पर एकजुटता से आवाज बुलंद करने जागरूक किया जा रहा है। 23 फरवरी तक चलाए जाने वाले इस अभियान के दौरान हर क्षेत्र में पहुंचकर बिजली कर्मियों को एकजुटता से लंबित मांगों को लेकर संघर्ष करने प्रेरित किया जा रहा है। बिजली कर्मचारी संघ फेडरेशन का कंपनी के कर्मचारियों के हित में पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिलाने और कैशलेस मेडिकल स्कीम को पुनः चालू करने की प्रमुख मांगे हैं। फेडरेशन के कोरबा.पूर्व शाखा अध्यक्ष पवन दास व महासचिव आरसी चेट्टी ने बताया कि कर्मचारियों की सेवा शर्तों व सुविधाओं पर प्रबंधन ठोस निर्णय नहीं ले रहा है। इस दिशा में पहल करने कंपनी गंभीर नहीं है। कर्मचारियों के रिटायर होने से मेन पॉवर घट रही है। मगर नई भर्ती करने के बजाय आउटसोर्सिंग व ठेका प्रथा का बढ़ावा दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा आज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा रविवार 12 फरवरी को आयोजित की जाएगी। इसके लिए बस्तर जिले 14 केंद्र बनाए गए हैं, 4821 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली में सामान्य अध्ययन की परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 3 बजे शाम 5 बजे तक एप्टीट्यूड टेस्ट का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा के लिए बस्तर जिले में जगदलपुर स्थित काकतीय शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय बहुद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक दो, दंतेश्वरी शासकीय महिला महाविद्यालय, झाड़ा सिरहा शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, क्राइस्ट कॉलेज, सूर्या कॉलेज, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय रेलवे कालोनी, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय अग्रसेन चौक, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तितिरगांव आदि को केंद्र बनाया गया है।

14 मार्च से 9 मई तक होंगी बविवि की वार्षिक परीक्षाएं

जगदलपुर। बस्तर विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षाओं की तिथि को आगे बढ़ा दिया गया है। बस्तर विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षा 14 मार्च से शुरू होगी और करीब 55 दिनों तक चलने के बाद 09 मई को खत्म होंगी। इससे पहले बस्तर विश्वविद्यालय ने 02 मार्च से परीक्षा शुरू कर अप्रैल महीने के अंत तक परीक्षा खत्म करने का टाइम टेबल बनाया था, लेकिन छात्रों ने इस टाइम टेबल का विरोध करते हुए कुलपति प्रो.मनोज कुमार श्रीवास्तव से कम से कम परीक्षा के समय को10 दिन बढ़ाने की मांग की थी। छात्रों की मांग को मानते हुए परीक्षा का समय बढ़ा दिया गया है। समय बढ़ाने का असर अब बीयू के नतीजों और नए शैक्षणिक सत्र पर भी पड़ेगा। यदि सभी काम समय पर पूर्ण नहीं हुए तो नया सत्र देरी से शुरू होगी, पहले ही बस्तर विश्वविद्यालय का कैलेंडर पिछड़ा हुआ है। गौरतलब है कि इस बार बस्तर विश्वविद्यालय से करीब 65 हजार से ज्यादा छात्र पर्चे देंगे।

अछरीडीह-अछोली मार्ग पर बनेगा उच्चस्तरीय पुल

महासमुंद। कोडार नाला में अछरीडीह–अछोली मार्ग पर उच्चस्तरीय पुल का निर्माण कराया जाएगा। संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर के मुख्य आतिथ्य में निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। गौरतलब है कि संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर के प्रयास से पुल निर्माण के लिए पांच करोड़ 12 लाख 96 हजार रुपए की राशि की स्वीकृति मिली है। शुक्रवार को ग्राम पंचायत अछरीडीह में पुल निर्माण का शुभारंभ समारोह का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर थे। अतिथि के रूप में बीज अनुसंधान समिति के संचालक दाऊलाल चंद्राकर, जनपद पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष सेवनलाल चंद्राकर, जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री संजय शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष ढेलू निषाद, जिला पंचायत सदस्य अमर चंद्राकर, कुलेश्वर ठाकुर, शिव पटेल, आकाश चंद्राकर मौजूद रहे।

स्टील प्लांट का गैर सरकारी संचालन बर्दाश्त नहीं करेंगे बस्तरवासी

■ अदाणी को नगरनार की बोली से बाहर करने संसदीय सचिव जैन ने की मांग

जगदलपुर। संसदीय सचिव व जगदलपुर विधायक रेखचंद जैन ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी व वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर नगरनार स्टील प्लांट के लिए वर्तमान में संचालित बोली से प्रसिध्द उद्योगपति गौतम अदाणी व उनकी किसी भी कंपनी/ फर्म को बाहर रखने की मांग की है। साथ ही, बस्तर क्षेत्र के 40 लाख लोगों की भावनाओं का सम्मान करने का सुझाव देते निर्माणाधीन स्टील प्लांट का संचालन किसी भी गैर सरकारी संस्था को न देने की मांग की है।

10 फ़रवरी 2023 को भेजे पत्र में जगदलपुर विधायक व संसदीय सचिव श्री रेखचंद जैन ने लिखा है कि 24 जनवरी को अमेरिकी फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च के द्वारा उद्योगपति गौतम अदाणी की व्यापारिक कंपनियों को लेकर जो खुलासा किए गए हैं, उससे न केवल विश्व में उनकी रैकिंग घटी है अपितु भारत की प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो रही है। श्री गौतम अदाणी, उनके संबंधियों व कंपनियों को लेकर रोजाना ही नए– नए खुलासे हो रहे हैं। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दल इस मामले में संयुक्त संसदीय समिति से जांच कराने की मांग को लेकर आन्दोलित हैं। श्री अदाणी की कंपनियों में नियम व प्रक्रिया विरुद्ध भारतीय स्टेट बैंक समेत अन्य सरकारी बैंकों व भारतीय जीवन बीमा निगम से भारी रकम निवेशित करने के आरोप भी लग रहे हैं। इन सब आरोपों के परिप्रेक्ष्य में नगरनार स्टील प्लांट के लिए होने वाली बोली से उनसे सम्बद्ध कंपनियों को पृथक करना सर्वथा उपयुक्त होगा। समाचार पत्र के माध्यम से यह ज्ञात हुआ है कि स्टील प्लांट संचालन के लिए पांच कंपनियों ने रुचि दिखाई है। इसमें श्री गौतम अदाणी की कंपनी/ फर्म का नाम भी सम्मिलित है। सम्बन्धित समाचार पत्र की छायांकित प्रति संलग्न है। साथ ही, इस पत्र के माध्यम से यह भी निवेदन है कि बस्तर जिला के नगरनार में एनएमडीसी द्वारा स्थापित किए जाने वाले स्टील प्लांट का संचालन किसी भी निजी क्षेत्र को न दिया जाए। चूंकि वर्ष 2002 व उसके पश्चात अलग–अलग समय में स्टील प्लांट के लिए अधिग्रहित भूमि क्षेत्रीय किसानों ने इस उम्मीद से दी थी कि इस स्थान पर सार्वजनिक उपक्रम संचालित स्टील प्लांट की स्थापना होगी। नक्सल प्रभावित क्षेत्र बस्तर में केंद्र सरकार के विनिवेशीकरण की नीति से बस्तर क्षेत्र की 40 लाख जनता स्वयं को ठगा महसूस कर रही है। इस प्लांट का संचालन गैर सरकारी क्षेत्र को देने की प्रक्रिया को बस्तर के लोग व क्षेत्रीय जनता के साथ भू- प्रभावित कृषक स्वयं के साथ किए जाने वाले विश्वासघात के रूप में देख रहे हैं।

पतोरा पंचायत मॉडल ग्राम बनने के लिए अग्रसर

पाटन। स्वच्छता पर हो रहे कार्यों को देखने के लिए अपर कलेक्टर अरविंद इक्का पाटन जनपद के ग्राम पंचायत पतोरा पहुंचे, ग्राम पंचायत पतोरा में बने प्रदेश के पहले ग्रामीण एवम देश के पहले सेक्सन युक्त फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का अवलोकन किया ।जहां पर उन्होंने प्लांट के कार्य करने के तरीका को जाना एवं जल्द से जल्द सोना खाद बनाने की बात कही, सेग्रीग्रेशन यार्ड मैं स्वच्छता ग्राही समूह से उनके द्वारा सूखा कचरा संग्रहण एवं उन्हें अलग करके उन्हें बेचकर अपने आय का साधन बना रही हैं। जिससे उन लोगों की आर्थिक स्थिति सुधर रही है ग्राम गौठान में गौठान समूह की महिलाओं से वर्मी खाद की बिक्री एवं उन्हें बनाने के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सामुदायिक शौचालय, टायर वाले शौचालय, त्रिस्तरीय फिल्टर प्लांट, बर्तन बैंक, लाइब्रेरी एवं ग्राम पंचायत भवन का भ्रमण किया ।साथ ही ग्राम पंचायत पतोरा को मॉडल ग्राम बनाने की बात कही ।गांव में हो रहे स्वच्छता के कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर प्रमुख रुप से मनीष कोठारी सीईओ जनपद पंचायत पाटन, गिरीश माथुरे जिला समन्वयक दुर्ग, सरपंच अंजिता साहू, सचिव महेंद्र साहू, नीलमणि चंदेल ब्लॉक कोऑर्डिनेटर, मनोज बानीक वाटर एड, फत्ते लाल साहू, नोमेंद्र मंडावी, संदीप ठाकुर, अजय यादव, भुनेश्वरी देवांगन, रोजगार सहायक पुरुषोत्तम कुर्रे, कंप्यूटर ऑपरेटर इंतजा राज, स्वच्छता ग्राही समूह एवं गोठा समूह की महिलाएं उपस्थित थी।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय

प्रमुख समाचार

एनडीए सरकार आतंकवाद नक्सलवाद को नियंत्रित करने में सफल रही : शाह

हैदराबाद। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को यहां कहा कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार जम्मू कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं, पूर्वोत्तर में उग्रवाद और वामपंथी नक्सलवाद को नियंत्रित करने में काफी हद तक सफल रही है। शाह ने यहां सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एसवीपीएनपीए) में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 74वें बैच के परिवीक्षाधीन अधिकारियों की दीक्षांत परेड को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार की एजेंसियों के नेतृत्व में पूरे देश में पुलिस बलों ने 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) जैसे संगठन के खिलाफ एक ही दिन में एक सफल अभियान संचालित किया। अमित शाह ने कहा, ''सरकार आठ साल बाद जम्मू कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं, पूर्वोत्तर में उग्रवाद और वामपंथी नक्सलवाद को नियंत्रित करने में काफी हद तक सफल रही है।''

डीएमके नेता पर पैसे बांटने का आरोप, कार से टोकन जब्त

नई दिल्ली। तमिलनाडु के इरोड विधानसभा में उपचुनाव होना है। इसके लिए राष्ट्रीय पार्टियों के साथ-साथ तमिलनाडु की क्षेत्रीय पार्टियों ने पूरी ताकत झोंक दी है। चुनाव प्रचार के दौरान पैसे बांटने का भी मामला सामने आया है। ऐसा ही एक आरोप डीएमके पर लगा है। पुलिस और चुनाव अधिकारियों ने पैसे बांटने की सूचना मिलने पर सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान तिरुपुर जिले में डीएमके दक्षिण संघ के कोषाध्यक्ष सरबदीन की कार से टोकन जब्त किए गए। ये जानकारी इरोड के जिलाधिकारी डीसी एच कृष्णनुन्नी ने दी। देश में 27 फरवरी को तमिलनाडु की इरोड सीट समेत छह विधानसभा और एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव होना है। इसमें लक्षद्वीप लोकसभा सीट, अरुणाचल प्रदेश की लुमला, झारखंड की रामगढ़, पश्चिम बंगाल की सागरदिघी, महाराष्ट्र की कस्बा पेठ और चिंचवड विधानसभा सीटें शामिल हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार 27 फरवरी को इन सीटों पर वोटिंग होगी और दो मार्च को नतीजे आ जाएंगे।

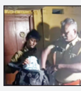

उपराज्यपाल और केजरीवाल की लड़ाई बिजली तक आई

नईदिल्ली। दिल्ली के लेफ्टिनेंट-गवर्नर विनय कुमार सक्सेना ने निजी बिजली वितरण कंपनी (डिस्कॉम) के बोर्ड में आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवारों को वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ रिप्लेस कर दिया है। एलजी सक्सेना की तरफ से ये कदम उनके चयन को 'घोर अवैध' करार देने के कुछ दिनों बाद उठाया गया है। आप प्रवक्ता जैस्मीन शाह और आप सांसद एनडी गुप्ता के बेटे नवीन एनडी गुप्ता को निजी डिस्कॉम बोर्ड से हटा दिया गया है और उनकी जगह वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। उन्होंने अनिल अंबानी के स्वामित्व वाली डिस्कॉम के बोर्डों पर निजी प्रतिनिधियों के साथ सहयोग किया और सार्वजनिक खजाने की कीमत पर उन्हें 8,000 करोड़ रुपये का लाभ पहुंचाया। वित्त सचिव, बिजली सचिव और दिल्ली ट्रांसको के एमडी अब इन डिस्कॉम पर सरकार का प्रतिनिधित्व करेंगे।

ईडी ने वाईएसआर सांसद के बेटे को किया गिरफ्तार

नईदिल्ली। दिल्ली के आबकारी नीति घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने दिल्ली आबकारी नीति धनशोधन मामले में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सांसद मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी के बेटे राघव मगुंटा को गिरफ्तार किया है। ईडी के अधिकारी ने इस गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए कहा कि दिल्ली आबकारी धनशोधन मामले में सांठगांठ होने के कारण इन्हें गिरफ्तार किया गया है। वाईएसआर कांग्रेस के ओंगोले सांसद रेड्डी के बेटे राघव को दिल्ली शराब नीति घोटाले में गिरफ्तार किया गया। एक पखवाड़े पहले अपनी दूसरी चार्जशीट में, ईडी ने कथित तौर पर कहा था कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता के साथ रेड्डी इंडोस्पिरिट पर वास्तविक मालिक हैं। कथित तौर पर कविता ने शराब व्यवसायी अरुण रामचंद्र पिल्लई के माध्यम से हिस्सेदारी नियंत्रित की। उनके साथ विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली ऊथा गौतम और समीर महेंद्रू के साथ सीबीआई ने पिछले साल चार्जशीट किया था।

त्रिपुरा में गठबंधन सरकार बनी तो आदिवासी को कमान

नई दिल्ली। त्रिपुरा विधानसभा चुनाव को अब पांच दिन ही बचे हैं। 16 फरवरी को यहां वोटिंग है। इसके ठीक पहले कांग्रेस और वामदल गठबंधन ने बड़ा दांव चल दिया है। कांग्रेस ने एलान किया है कि राज्य में अगर गठबंधन की सरकार बनती है तो आदिवासी चेहरे को ही सूबे की कमान सौंपी जाएगी। कांग्रेस के महासचिव अगर वाम-कांग्रेस गठबंधन चुनाव जीतती है तो माकपा के एक वरिष्ठ आदिवासी नेता त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बनेंगे। बता दें कि त्रिपुरा में जितेंद्र चौधरी आदिवासी समुदाय से आने वाले सीपीआई (एम) के बड़े नेताओं में से एक हैं। चौधरी के नाम पर ही सबसे ज्यादा चर्चा चल रही है। त्रिपुरा में पिछली बार यानी 2018 चुनाव में भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। भाजपा ने 25 साल से शासन कर रहे लेफ्ट-कांग्रेस को बेदखल किया था। इस जीत के नायक रहे तत्कालीन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बिप्लब देब को राज्य का मुख्यमंत्री बनाया गया था।

त्रिपुरा में प्रधानमंत्री ने कहा हमने राज्य को चंदा-चंदा करने वालों से कराया मुक्त

गरीबों से केवल विश्वासघात करना जानते हैं कांग्रेस-वामपंथी : मोदी

अगरतला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी त्रिपुरा में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बीजेपी के उम्मीदवारों के समर्थन में शनिवार को चुनावी सभा को संबोधित करने के दौरान विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि अब त्रिपुरा की पहचान हिंसा और पिछड़ापन नहीं है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में पहले एक ही पार्टी को झंडा फहराने की इजाजत थी, लेकिन आज बीजेपी सरकार ने त्रिपुरा को डर, भय और हिंसा से मुक्ति दी है।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में आगे कहा कि पहले त्रिपुरा में एक ही शब्द सुनने को मिलता था चंदा। इन्होंने तीन दशक तक चंदे के नाम पर लोगों को लूटने का लाइसेंस देकर रखा था। हमने त्रिपुरा के लोगों को चंदा-चंदा करने वालों से मुक्त कर दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि त्रिपुरा के गरीबों, युवाओं, माताओं-बहनों, जनजातियों के लिए पार्टी ने नए लक्ष्य तय किए और पार्टी ने उन्हें पूरा करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा के लोगों को याद रखना है आपके एक वोट की शक्ति से त्रिपुरा वामपंथ के कुशासन से मुक्त हुआ है।

चुनावी सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर हमला जारी रखते हुए आगे कहा कि कांग्रेस और वामपंथी गरीब से केवल विश्वासघात करना जानते हैं। वो गरीब को कभी किसी चिंता से मुक्त नहीं कर सकते। पीएम ने कहा कि बीजेपी आपकी सेवक की तरह, आपके सच्चे साथी की तरह है और आपकी हर चिंता दूर करने का काम दिन रात मेहनत कर के कर रही है। उन्होंने कहा कि आज आवास-आरोग्य-आय की त्रिशक्ति त्रिपुरा को सशक्त बना रही है। पीएम आवास योजना ने यहां के गरीब लोगों का जीवन बदल दिया है। हमने बीते 5 साल में करीब करीब तीन लाख पक्के घर बना कर गरीबों को दिए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि त्रिपुरा में गांव गांव तक ऑप्टिकल फाइबर बिछाने का काम जारी है। पिछले 8 वर्षों

में तीन गुना से ज्यादा ऑप्टिकल फाइबर त्रिपुरा में बिछाए जा चुके हैं। त्रिपुरा दक्षिण एशिया का गेटवे बनने की ओर अग्रसर है। पीएम ने कहा कि पहले त्रिपुरा में केवल वामपंथी कैडर को ही सरकारी योजनाओं का लाभ मिलता था, लेकिन अब हर नागरिक को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। पुलिस थानों तक पर सीपीएम कैडर का कब्जा था, लेकिन बीजेपी सरकार ने राज्य में कानून का राज स्थापित किया है।

यही नहीं उन्होंने यह भी कहा है कि राज्य में पिछले पांच साल में तेजी से विकास हुआ है और आने वाले समय में भाजपा की यहां सरकार बनेगी। आपको बता दें कि इस जनसभा में मुख्यमंत्री माणिक साहा भी शामिल थे जिन्होंने ने भी कांग्रेस और सीपीएम पर जमकर निशाना साधा है।

दरअसल, त्रिपुरा के अमबासा में बीजेपी की एक विजय संकल्प रैली का आज आयोजन हुआ है। इस रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा है कि त्रिपुरा चुनाव की यह उनकी पहली रैली है और जिस तरीके से लोगों ने इस रैली में हिस्सा लिया है, उससे यह लगता है कि आने वाले समय में यहां भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार बनेगी।

पीएम मोदी ने दिया फिजियोथेरेपी को योग से जोड़ने का सुझाव

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपिस्ट' (आईएपी) के 60वें राष्ट्रीय सम्मेलन को डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए कहा कि, ''फिजियोथेरेपी की तरह देश के विकास के लिए भी निरंतरता और दृढ़ संकल्प जरूरी है। फिजियोथेरेपिस्ट को लोगों को सही व्यायाम, सही मुद्रा और स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए सही चीजों के बारे में जानकारी देनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें भी कभी-कभी फिजियोथेरेपिस्ट की मदद की जरूरत पड़ती है, पीएम फिजियोथेरेपी को योग के साथ जोड़ने का सुझाव दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि फिजियोथेरेपिस्ट केवल मरीज का इलाज नहीं करता, बल्कि उसे हौसला भी देता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना हो या फिर हमारी सरकार की सोशल सिक्योरिटी स्कीम्स, इनके जरिए देश में एक मजबूत सोशल सिक्योरिटी नेट तैयार हुआ है। इसका रिजल्ट क्या निकला है, ये भी हम देख रहे हैं। आज देश का गरीब, देश का मध्यम वर्ग, बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का साहस जुटा पा रहा है, वो आज दुनिया को दिखा रहे हैं कि अपने सामर्थ्य से वो नई ऊंचाइयों को छूने में सक्षम हैं। पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपिस्ट के 60वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित किया, इस अवसर पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि मुझे ख़ुशी है कि मेडिकल फ़ील्ड के इतने महत्वपूर्ण प्रोफेशनल्स अहमदाबाद में एक साथ जुट रहे हैं। आपको बताएं कि, दो दिवसीय 60वां राष्ट्रीय आईएपी सम्मेलन 16 वर्ष के अंतराल के बाद गुजरात में आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान भारत और विदेशों के विशेषज्ञ इस क्षेत्र में प्रगति पर विचार-विमर्श करेंगे।

झारखंड में केंद्र सरकार पर जमकर बरसे कांग्रेस अध्यक्ष

संसद के अंदर या बाहर बोलने की आजादी नहीं : खड़गे

रांची। केंद्र की भाजपा नीत सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को आरोप लगाया कि देश में बोलने की आजादी नहीं है। झारखंड के साहेबगंज जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए, खरगे ने संसद में उनके भाषण के कुछ हिस्सों को निकाले जाने का दावा करते हुए नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद के अंदर और बाहर बोलने की आजादी नहीं है..जो लोग बोलने की हिम्मत करते हैं उन्हें सलाखों के पीछे डाल दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि भाजपा 2014 में महंगाई रोकने के वादे के साथ सत्ता में आई थी, लेकिन सत्ता में आने के बाद से आवश्यक वस्तुओं और गरीबी की कीमतें बढ़ रही हैं। खरगे ने कहा कि यह कांग्रेस ही थी जिसने देश के बुनियादी ढांचे का विकास किया और भारत की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी।

खरगे ने कहा कि हमने संसद में मुद्दा उठाया एक व्यक्ति जिसकी आमदनी 2019 में सिर्फ 1 लाख करोड़ थी ढाई साल में उसकी संपत्ति 13 लाख करोड़ हो गई। जो 2 लाख कमा रहा है क्या उसकी संपत्ति इतनी बढ़ेगी? कौनसा ऐसा जादू है जिसने यह कर दिया? सरकार को हमारे इस सवाल का जवाब देना चाहिए था, लेकिन सरकार ने जवाब नहीं दिया। हमारे सवाल का जवाब देने की बजाय सरकार इसे असंसदीय करार दे दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष राज्य में पार्टी के 60 दिवसीय हाथ से हाथ जोड़ो जनसंपर्क कार्यक्रम की शुरुआत करने के बाद पाकुड़ के गुमानी मैदान में बोल रहे थे। कार्यक्रम के दौरान, कांग्रेस कार्यकर्ता केंद्र की नीतियों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए घर-घर जाएंगे। रैली में कांग्रेस महासचिव अविनाश पांडेय, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर और प्रदेश मंत्री आलमगीर आलम समेत अन्य नेता मौजूद थे।

नेहरू सरनेम पर गरमाई सियासत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राज्यसभा में अपने भाषण में कहा था कि उन्हें समझ नहीं आता कि गांधी परिवार में से कोई भी नेहरू सरने का इस्तेमाल क्यों नहीं करता। इस टिप्पणी से विवाद पैदा हो गया। कांग्रेस ने इस बयान की कड़ी आलोचना की है। यह विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है, क्योंकि सोशल मीडिया पर तमाम नेता इसको लेकर टिप्पणी कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के बेटे का जिक्र करते हुए भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि वह (रेहान) अपना नाम रेहान राजीव गांधी लिखते हैं। उन्होंने कहा, अगर प्रियंका वाड्रा के बेटे रेहान अपना नाम रेहान राजीव गांधी लिख सकते हैं तो परिवार में कोई भी नेहरू सरनेम का इस्तेमाल क्यों नहीं करता? शर्म आती है?

इससे एक दिन पहले कांग्रेस ने पीएम मोदी पर निशाना साधा था और पूछा था कि भारत में कौन अपने नाना के सरनेम का इस्तेमाल करता है। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा था, जो इस तरह के जिम्मेदार पद पर बैठा है, वह भारत की संस्कृति को जानता-समझता नही हैं..आप देश में किसी भी व्यक्ति से पूछ सकते हैं कि नाना के सरनेम का इस्तेमाल कौन करता है?

खेल

प्रमुख समाचार

पहले टेस्ट मैच में भारत ने आस्ट्रेलिया को हराया

नागपुर। भारतीय टीम ने नागपुर टेस्ट तीन दिन में जीत कर आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप में मजबूती से कदम बढ़ा दी है। 4 मैचों की सीरीज में भारत 1-0 से आगे हो गया है। भारत ने एक पारी और 132 रन से हराया। रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा की जोड़ी के आगे ऑस्ट्रेलिया टीम आउट हो गई। अश्विन ने 5 और जडेजा ने 2 विकेट झटके। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को पहली पारी में 400 रन बनाकर 223 रन की बढ़त ले ली थी। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी 91 रन पर आउट हो गई। सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच 17-21 फरवरी को दिल्ली में खेला जाएगा।

इससे पहले अक्षर पटेल के 84 और मोहम्मद शमी के 37 रन की मदद से भारत ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को पहली पारी में 400 रन बनाकर 223 रन की बढत ले ली। अक्षर और शमी ने नौवें विकेट के लिये 52 रन की साझेदारी की। भारत ने कल के स्कोर सात विकेट पर 321 रन से आगे खेलना शुरू किया। रविंद्र जडेजा कल के ही स्कोर 70 रन पर टॉड मरफी को अपना विकेट गंवा बैठे।

पिच में तीसरे दिन भी बहुत बदलाव नहीं देखा गया और धीमी पिच पर बल्लेबाजों को ज्यादा परेशानी नहीं हुई। भारतीय पारी का अंत होते ही लंच ब्रेक ले लिया गया। शमी को नाथन लियोन की गेंद पर स्कॉट बोलैंड ने छह के स्कोर पर जीवनदान दिया। इसके बाद शमी ने आस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मरफी को तीन छक्के लगाये। उन्होंने पहले मिडविकेट पर स्लॉग स्वीप खेला, इसके बाद लांग आफ में स्ट्रेट ड्राइव लगाया और फिर लॉन्ग आन पर छक्का जड़ा। उनकी आक्रामक पारी के दम पर 50 रन की साझेदारी महज 65 मिनट में बन गई।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/

प्रमुख समाचार

बिगड़ते बजट पर लगाम लगाने सरकार उठाने जा रही बड़ा कदम

नई दिल्ली। महंगाई से राहत पाने के लिए सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। महंगे आटे ने लोगों का बजट बिगाड़ दिया है। सरकार इस दिशा में राहत देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार 30 लाख मीट्रिक टन गेहूं को बेचने की तैयारी कर रही है। गेहूं और आटे की बढ़ती कीमतों को कम करने के लिए, सरकार ने ओपन मार्केट डिस्पोजल स्कीम (ओएमएसएस) के तहत 30 लाख मीट्रिक टन गेहूं को बेचने और राज्य सरकारों, केंद्रीय भंडार, नेशनल कंज्यूमर कोऑपरेटिव फेडरेशन (एनसीसीएफ), नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (नेफेड), राज्य सहकारी समितियों/संघों आदि को बिक्री करने का फैसला किया है, ताकि गेहूं और आटा की कीमतों में कमी आ सके।

टाटा की एयर इंडिया खरीदेगी 500 नए विमान

नई दिल्ली। टाटसंस के साथ जुड़ने के बाद से एयर इंडिया के पंख फैल रहे हैं। एयर इंडिया अपनी विमान सेवाओं में लगातार विस्तार कर रही है। विमान सेवाओं से लेकर नई विमानों की खरीद में एयर इंडिया लगातार आगे बढ़ रही है। अब एयर इंडिया से एविएशन सेक्टर की सबसे बड़ी डील की है। एयर इंडिया ने एक, दो नहीं बल्कि 500 नई विमानों की खरीद के लिए डील की है। एयर इंडिया को वर्ल्ड क्लास बनाने के लिए कंपनी ने 500 नए एयरक्राफ्ट का ऑर्डर दिया है। आपको बता दें कि एविएशन के इतिहास का ये सबसे बड़ा एयरक्राफ्ट ऑर्डर है। एयर इंडिया ने 100 अरब डॉलर से अधिक में ये डील की है। कंपनी ने इसके लिए फ्रांस के एयरबस और अमेरिका की बोइंग के साथ डील की है। खबरों की माने तो एयर इंडिया ने 430 नैरो बॉडी और 70 वाइड बॉडी प्लेन का ऑर्डर दिया है।

तेज इलेक्ट्रिक कार के साथ महिंद्रा ने पेश की दो एसयूवी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एसयूवी बनाने वाली कंपनी महिंद्रा की ओर से दो नई इलेक्ट्रिक एसयूवी और एक हाइपर कार को पेश किया गया है। कंपनी ने एक्सयूवी.ई9 और बीई.05 एसयूवी को भारत में पेश किया है। इनके अलावा महिंद्रा के स्वामित्व वाली इटालियन लग्जरी कार कंपनी पिनिनफेरिना की ओर से बटिस्टा हाइपर कार को पेश किया गया। महिंद्रा की ओर से पेश की गई एक्सयूवी.ई9 इलेक्ट्रिक एसयूवी है। इसका डिजाइन कूपे की तरह रखा गया है और यह पूरी तरह से इलेक्ट्रिक एसयूवी है। कंपनी के मौजूदा पोर्टफोलियो में ऐसी कोई एसयूवी नहीं है जिसका डिजाइन इसकी तरह हो लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसे एक्सयूवी 700 का इलेक्ट्रिक वर्जन बताया जा रहा है। सामने से एसयूवी पर महिंद्रा का नया ट्विन पीक लोगो दिया गया है।

भारत के 40,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह में रोड़ा है तस्करी

नईदिल्ली। तस्करी की वजह से देश की अर्थव्यवस्था को जो नुकसान हो रहा है, वह सरकार के अमृतकाल के दृष्टकोण के तहत भारत के 40,000 डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह में रोड़ा बन सकता है। उद्योग मंडल फिक्की की तस्करी और जाली वस्तुओं से अर्थव्यवस्था को हो रहे नुकसान के खिलाफ समिति (कैस्केड) की एक रिपोर्ट में यह आशंका जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, एल्कोहल वाले पेय पदार्थ, मोबाइल फोन, दैनिक उपयोग वाली घरेलू और निजी वस्तुएं, पैकेट बंद खाद्य पदार्थ और तंबाकू उत्पादों के अवैध व्यापार में भारत सरकार को होने वाला नुकसान 2019-20 में 163 प्रतिशत बढ़कर 58,521 करोड़ रुपये हो गया है। कर चोरी से होने वाले नुकसान में सबसे ज्यादा 227 प्रतिशत वृद्धि एल्कोहल आदि के अवैध व्यापार से हुई है।

अगली बैठक में पॉलिसी रेट में इजाफा रुकेगा!

तमाल बंद्योपाध्याय

किसी को यह उम्मीद नहीं रही होगी कि भारतीय रिजर्व बैंक इससे बेहतर कदम उठाएगा। आरबीआई की दरें तय करने वाली मौद्रिक नीति समिति ने नीतिगत दरों में एक बार फिर 25 आधार अंकों का इजाफा किया है। मई 2022 में दरों में इजाफे का सिलसिला शुरू होने के बाद यह सबसे कम इजाफा है। इसके साथ ही नीतिगत दरें 6.5 फीसदी हो गईं। पिछली बार फरवरी 2019 में दरें इस स्तर पर थीं। उस वक्त खुदरा मूल्य सूचकांक 2.57 फीसदी पर था।

नीतिगत रुख में कोई बदलाव नहीं किया गया है और वह पूरी तरह समायोजन को वापस लेने पर केंद्रित है। अनुमान के मुताबिक ही दोनों निर्णय सर्वसम्मति से नहीं लिए गए और दो सदस्यों ने विरोध में मत दिया लेकिन कुल मिलाकर नीतिगत रुख वही रहा। क्या यह वर्तमान चक्र का अंतिम इजाफा है? क्या रिजर्व बैंक अप्रैल में यानी वित्त वर्ष 2024 की पहली बैठक में नीतिगत दर में इजाफा रोकेगा? नीतिगत वक्तव्य में भविष्य को लेकर कोई निर्देशन नहीं किया गया है। नीति प्रस्तुत किए जाने के बाद संवाददाता सम्मेलन में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने संबंधित सवाल का जवाब देने से इनकार करते हुए कहा था कि इस समय आशावाद का माहौल है। इस वक्तव्य के कई मायने निकाले जा सकते हैं।

इस समय कोई भविष्यवाणी करना मुश्किल है। अनुमान है कि चालू वर्ष की अंतिम तिमाही में मुद्रास्फीति औसतन 5.6 फीसदी रहेगी जबकि नीतिगत दर 6.50 प्रतिशत है। मुद्रास्फीति के समायोजन के बाद नीतिगत दर अभी भी महामारी के पहले के स्तर से पीछे है। इसके बावजूद इस संभावना को सिरे से नकारा नहीं जा सकता है कि एमपीसी की अगली बैठक में इजाफे को रोका जा सकता है। भविष्य के कदमों की

बात करें तो नीतिगत दर और रुख दोनों ही मामलों में सबकुछ आंकड़ों पर निर्भर करेगा।

दास ने इस बात पर जोर दिया कि वृद्धि को सहायता पहुंचाने के साथ-साथ रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखने का प्रयास जारी रखेगा। उन्होंने कहा, 'मौद्रिक नीति मुद्रास्फीति के बदलते दायरे को लेकर पूरी तरह सतर्क बनी रहेगी और अर्थव्यवस्था के सामने आने वाली चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटेगी।' निश्चित तौर पर मुद्रास्फीति अभी भी अर्थव्यवस्था के सामने सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है और रिजर्व बैंक का मिशन अभी भी यही है कि मुद्रास्फीति की दरों में उल्लेखनीय कमी लाई जाए। यह देखना सुखद है कि रिजर्व बैंक इस बात का जश्न मनाने के मूड में नहीं है कि मुद्रास्फीति 6 फीसदी के स्तर से नीचे आ चुकी है और भारत बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम मुद्रास्फीति वाला देश है। इन बातों के बावजूद भारत ने अपना लक्ष्य नहीं बदला है और वह मुद्रास्फीति को चार फीसदी (दो फीसदी ऊपर या नीचे) के स्तर पर लाने को लेकर प्रतिबद्ध है। मुद्रास्फीति को लक्षित करने की यह लचीली व्यवस्था जून 2016 में शुरू हुई थी। लगातार 10 महीने तक तय दायरे की ऊपरी सीमा का उल्लंघन करने के बाद (अप्रैल 2022 में यह 7.79 फीसदी हो गई थी) खुदरा मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति नवंबर 2022 में 5.88 फीसदी और दिसंबर में 5.77 फीसदी रही। अनुमान है कि वित्त वर्ष 2023 में मुद्रास्फीति 6.5 फीसदी रहेगी। यह अनुमान कच्चे तेल की कीमत 95 डॉलर प्रति बैरल रहने के कयास पर आधारित है। वित्त वर्ष 2024 में यह अनुमान 5.3 फीसदी है क्योंकि मॉनसून के सामान्य रहने का अनुमान है। तिमाही आधार पर देखें तो पहली तिमाही में मुद्रास्फीति के 5 फीसदी, दूसरी और तीसरी तिमाही में 5.4 फीसदी और अंतिम तिमाही में 5.6 फीसदी रहने का अनुमान है। अंतिम तिमाही में आधार प्रभाव के चलते इजाफा हो सकता है। रिजर्व बैंक ने अपने वक्तव्य में कहा, 'मुद्रास्फीति संबंधी पूर्वानुमान भूराजनीतिक तनाव के कारण निरंतर व्याप्त अनिश्चितता, वैश्विक वित्तीय बाजारों की अस्थिरता, बढ़ती गैर तेल जिंस कीमतों और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव की वजह से है।' रिजर्व बैंक के लिए शीर्ष मुद्रास्फीति से अधिक बड़ी समस्या बुनियादी मुद्रास्फीति है। यानी गैर खाद्य, गैर तेल मुद्रास्फीति जो मांग के दबाव को दर्शाती है। यह अर्थव्यवस्था बहुत लंबे समय से अपनी जगह पर बनी हुई है।

सेमीकंडक्टर्स तकनीक के लिए अमेरिका-चीन की जंग

निरंकार सिंह

दुनिया में जंग अब सिर्फ देश की सीमाओं पर ही नहीं लड़ी जा रही है। जंग का यह नया मैदान आर्थिक मोर्चे पर शुरू हुआ है। यह जंग उच्च तकनीक के माध्यम से बाजार की ताकतों को अपने नियंत्रण में लाने के लिए कौशल रूपी हथियार के इस्तेमाल से लड़ी जा रही है। इस जंग में कई देश शामिल हैं, पर अमेरिका और चीन तकनीकी जंग के मोर्चे पर आमने-सामने खड़े हैं। यह जंग सेमीकंडक्टर्स को लेकर है। यह एक चिप है जो वास्तव में हमारे दैनिक जीवन की एक ताकत है। सिलिकॉन का यह एक छोटा सा टुकड़ा 500 अरब डॉलर के उद्योग का केंद्र है जिसकी कीमत 2030 तक दोगुनी होने का अनुमान है। इसकी सप्लाई चेन को कौन नियंत्रित करेगा, इसको लेकर जंग जारी है। इन्हें बनाने वाली कंपनियों और देशों का एक पेचीदा नेटवर्क है। इसकी सप्लाई चेन का नियंत्रण ही वह कुंजी है जो किसी को एक बेजोड़ महाशक्ति बना सकता है। चीन इन चिप्स को बनाने की तकनीक चाहता है। पर अमेरिका, जो इस तकनीक का अधिकतर स्रोत अपने पास रखे हुए है, वह चीन को पीछे धकेल रहा है। टफ्ट्स यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर और चिप वॉर्स के लेखक क्रिस मिलर के अनुसार चीन के खिलाफ जो घोषित चिप युद्ध है वह वैश्विक अर्थव्यवस्था को नया रूप दे रहा है। सेमीकंडक्टर्स को बनाना जटिल है। इसमें विशेषज्ञता की जरूरत है। आईफोन की चिप्स अमेरिका में डिजाइन होती हैं जो ताइवान, जापान या दक्षिण कोरिया में बनती हैं और फिर चीन में उन्हें जोड़ा जाता है। भारत इस उद्योग में बहुत निवेश कर रहा है जो आगे भविष्य में एक बड़े खिलाड़ी की भूमिका निभा सकता है। भारत की ताइवान में हुई डील चीन के लिए सिरदर्द बन गई है।

सेमीकंडक्टर्स का आविष्कार अमेरिका में हुआ था लेकिन समय के साथ-साथ पूर्वी एशिया इसके मैन्युफैक्चरिंग हब के तौर पर उभरकर सामने आया। इसकी वजह वहां की सरकारों की प्रोत्साहन राशि और सब्सिडी थी। वॉशिंगटन ने भी इस क्षेत्र में इस व्यापार को विकसित करने के लिए रणनीतिक साझेदारियां कीं क्योंकि रूस के साथ शीत युद्ध के समय से उसके इस क्षेत्र से संबंध कमजोर थे। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते दबदबे के बाद यह अभी भी अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण है। अब दौड़ इन चिप्स को बड़े पैमाने पर अधिक छोटे और कुशल बनाने की है। अब चुनौती यह है कि एक छोटे से सिलिकॉन वेफर पर कितने ट्रांजिस्टर्स फिट हो पाएंगे जो कि अपने आप चालू और बंद हो सकें। सिलिकॉन वैली की बेन एंड कंपनी की साझेदार जुई वांग के अनुसार इसी वजह से सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री इसे मूर्स लॉ कहती है, खासतौर से समय के साथ ट्रांजिस्टर के घनत्व को दोगुना करना एक बहुत मुश्किल लक्ष्य है। यह हमारे फोन को अधिक तेज बनाता है, हमारे डिजिटल फोटो आर्काइव को और बड़ा करता है, स्मार्ट होम डिवाइसेस को समय के साथ अधिक स्मार्ट बनाता है और सोशल मीडिया कंटेंट का दायरा फैलाता है। यह टॉप चिप-मेकर्स के लिए भी बनाना आसान नहीं है। यह चिप इंसानी बाल के किनारे से भी छोटी होती है जो कि 50 से एक लाख नैनोमीटर बारीक होती है। यह छोटी 'खास धार' वाली चिप्स बेहद शक्तिशाली होती हैं।

अमृत काल में भ्रष्टाचार खत्म हो

ललित गर्ग

नरेन्द्र मोदी शासन के जिम्मेदारी भरे बजट-2023 ने समावेशी आर्थिक समृद्धि और वैश्विक महत्वाकांक्षा के साथ उस 'नए भारत' की नींव रखी है, जो अपनी स्वाधीनता के सौवें वर्ष में साकार होगा। यह बजट 'अमृत काल' को सबसे अच्छे ढंग से रेखांकित करता है। निश्चित ही सरकार की नजर अमृतकाल पर है। उसी दृष्टि से रणनीतियां एवं योजनाएं बन रही हैं। पिछले वर्ष भी अमृतकाल बजट चर्चा के केन्द्र में था। भारत का केन्द्रीय बजट एवं मोदी सरकार की नीतियां भी बहुत हद तक साल 2047 को लक्ष्य करके बनायी जा रही हैं। उस समय तक भारत को दुनिया का एक विकसित देश बना देने का विचार है, लेकिन इस लक्ष्य को प्राप्त करने की सबसे बड़ी बाधा है अनियंत्रित भ्रष्टाचार।

भ्रष्टाचार मुक्त नौकरशाही बनाना अत्यावश्यक है क्योंकि नौकरशाही देश के विकास के कार्यों को प्रचालित करने में मेरुदंड का कार्य करती है साथ ही सुदृढ़ समाज की स्थापना भी करती है। अधिकारियों को सार्वजनिक जीवन में शुचिता के मापदंडों पर खरा उतरने के लिए पूरे प्रयास करने चाहिए। भारत के वरिष्ठ नौकरशाह और चीफ विजिलेंस कमिश्नर रहे एन विट्ठल ने कहा था कि राजनीतिज्ञों से ज्यादा नौकरशाह भ्रष्ट हैं, क्योंकि राजनेताओं को तो जनता एक समय बाद हटा सकती है, लेकिन नौकरशाह पूरी सेवा काल तक भ्रष्टाचार करता रहता है। काफी हद तक यह सही भी प्रतीत होता है, क्योंकि राजनेता पर प्रत्येक पांच वर्ष बाद चुने जाने का दबाव होता है, जो नौकरशाह पर नहीं होता है।

आजादी का अमृत महोत्सव मना चुके राष्ट्र में अपेक्षित विकास न हो पाने के कारणों पर आकलन किया जाये तो भ्रष्टाचार सर्वोपरि है। भ्रष्टाचार के कारण एक तो कुछ ही लोगों के पास धन एकत्रित होता है, साथ ही बाजार में कृत्रिम वृद्धि लाता है जिससे वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि होती है और वस्तुएं गरीब व्यक्ति की पहुँच से बाहर हो जाती हैं। भारत विश्व में तेजी से उभरती हुयी अर्थव्यवस्था है। लेकिन भारत में काला धन और भ्रष्टाचार एक गंभीर समस्या है। वस्तुत: कालाधन अघोषित आय है जिस पर टैक्स की देनदारी बनती है लेकिन उसकी जानकारी इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को नहीं दी जाती। काले धन के उत्पन्न होने के कई कारण हैं जैसे स्मगलिंग, पोचिंग ड्रग्स, घोटाले, जालसाजी, भ्रष्टाचार आदि से काला धन उत्पन्न होता है। काले

धन के कारण भारत में समानांतर अर्थव्यवस्था खड़ी है, जो भारत के समावेशी विकास में बाधा है। काले धन के कारण ही इस उभरती हुई अर्थव्यवस्था में भ्रष्टाचार एक गंभीर मुद्दा है।

नरेन्द्र मोदी ने सबसे पहले देश का प्रधानमंत्री बनते ही भ्रष्टाचार मुक्त भारत का संकल्प लिया। उन्होंने न खाऊंगा और न खाने दूंगा का शंखनाद किया, उनके दो बार के प्रधानमंत्री के कार्यकाल में भ्रष्टाचार पर नियंत्रण पाने के लिये अनेक कठोर कदम उठाये गये हैं और उसके परिणाम भी देखने को मिले हैं, लेकिन भ्रष्टाचार फिर भी खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। भ्रष्टाचार की जटिल से जटिल होती स्थितियों को देखते हुए ही केंद्रीय सतर्कता आयोग ने हाल ही में सरकारी संस्थानों, मंत्रालयों और नागरिकों के लिए छह बिंदुओं का सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा पत्र जारी किया, जिसमें उनसे भ्रष्टाचार मुक्त भारत की संकल्पना के साथ जुड़ने का आह्वान किया गया है। प्रतिज्ञा पत्र को आयोग ने भ्रष्टाचार मुक्त देश के लिए विशेष अभियान के तौर पर पेश किया है। राष्ट्र में भ्रष्टाचार के विरुद्ध समय-समय पर ऐसी क्रांतियां एवं प्रशासनिक उपक्रम होते रहे हैं। लेकिन उनका लक्ष्य, साधन और उद्देश्य शुद्ध न रहने से उनका दीर्घकालिक परिणाम संदिग्ध रहा है। प्रश्न है कि बजट हो या सरकार के संकल्प, या फिर सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा पत्र क्या इनका हश्र ढाक के तीन पात ही होना है? अमृत की राह में भ्रष्टाचार बड़ा रोड़ा है, देश को भ्रष्टाचार मुक्त करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

हमारे देश में भ्रष्टाचार नियंत्रण के लिए समय-समय पर प्रशासनिक सुधार पर बल दिया जाता रहा है। अनेक समितियां बनाई गयीं, जिनकी रिपोर्ट में प्रशासनिक सुधार के महत्वपूर्ण बिंदुओं को स्पष्ट सुझाया गया, जिसमें नौकरशाही को पारदर्शी, जवाबदेह तथा मजबूत बनाया जा सके। इसी उद्देश्य से वर्ष 2005 में सूचना का अधिकार भी लाया गया, जिसमें जनता, सरकारी कार्यों में सहभागिता को निर्धारित कर सके और जनता तथा सरकार के बीच नजदीकियां बढ़ें, ताकि पारदर्शिता को बढ़ावा मिल सके और भ्रष्टाचार कम हो सके। सरकारी कार्यों में यदि जनता का हस्तक्षेप होगा, तो निश्चित तौर पर भ्रष्टाचार पर लगाम लगाया जा सकेगा, लेकिन भारत में नागरिक समाज की कमी एवं उदासीनता के कारण लोग मात्र अपने अधिकारों की अपेक्षा करते हैं, कर्तव्यों को तरजीह नहीं देते। इसी कारण लोग आरटीआई का उपयोग निजी हित तथा दूसरों को नुकसान पहुंचाने के लिए करने लगे जिससे आरटीआई भी अपने लक्ष्यों से भटक गयी। सुशासन की अवधारणा भी भारत में अधूरी ही रही है, क्योंकि सुशासन का अर्थ ही यही है कि सरकार के कार्यों को कम करने के लिए लोगों की सहभागिता, लेकिन नागरिक समाज की कमी, उपेक्षा एवं उदासीनता उद्देश्यों को पूर्ण करने में बाधा बन रही है।

भ्रष्टाचार ने तो भारत की शिक्षा व्यवस्था को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। जैसे उच्च शिक्षा मेडिकल, इंजीनियरिंग आदि में भ्रष्टाचार के कारण देश में कुशल डॉक्टरों और इंजीनियरों के अभाव से देश को गुजरना पड़ रहा है। डॉक्टरों की अकुशलता के कारण मरीजों का कई बार सही इलाज न होने के कारण प्राण संकट में पड़ जाता है। अर्थात पैसे के बल पर ये लोग मेडिकल कालेजों में प्रवेश पाते हैं जो उसके योग्य होते ही नहीं हैं। इस तरह स्वास्थ्य व्यवस्था के साथ खिलवाड़ जघन्य अपराध है। भ्रष्टाचार के कारण ही मकान, जमीन, उच्च शिक्षा और ऐसी अनेक वस्तुओं के मूल्य में कृत्रिम वृद्धि होने के कारण देश की बहुत बड़ी आबादी इन वस्तुओं तक अपनी पहुँच बनाने में असमर्थ होती है। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार भ्रष्टाचार के माध्यम से जमा किया गया काला धन बेनामी संपत्ति को बढ़ाने के साथ साथ हवाला कारोबार को भी बल देता है। ऐसा प्रमाण है कि हवाला का उपयोग आतंकवादियों ने हथियारों की ख़रीद फरोख़्त में किया है। इसलिये देश को भ्रष्टाचार और काले धन नामक दीमक से मुक्त कराने हेतु कठोर कदम उठाए गये हैं।

भ्रष्टाचार को बलशाली बनाती है रिश्वत। रिश्वत एक नासूर है। रिश्वत देने वाला काम जल्दी होने की उम्मीद में रिश्वत दे रहा है। लेने वाला काम करने के बदले रिश्वत ले रहा है। यानी भ्रष्ट-व्यवस्था कायम है। काम में विलम्ब या आम आदमी को परेशान करना- यह भ्रष्टाचार को पोषित करने की जमीन है। भले ही अपेक्षित सारे काम करना सरकारी कर्मचारी-अधिकारी की जिम्मेदारी हो, फिर भी भ्रष्टाचार को शिष्टाचार एवं रिश्वत को एक तरह से सुविधा शुल्क मान लिया गया है और इसके लेन-देन को लेकर कहीं कोई अपराध बोध नहीं दिखाई देता। ऐसे में सवाल यही है कि आखिर इस भ्रष्टाचार को खत्म कैसे किया जाए? क्या सिर्फ इस तरह के बजट-प्रावधान, सरकारी संकल्पों, प्रतिज्ञा पत्र से भ्रष्टाचार दूर होगा? असल में जरूरत है नीचे से लेकर ऊपर तक सुधार करने की। नीचे का व्यक्ति तभी सुधर सकता है, जब ऊपर बैठा हुआ व्यक्ति भी उस सुधार के लिए प्रेरित हो और भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़ा हो।

आजकल राष्ट्र में थोड़े-थोड़े अन्तराल के बाद ऐसे-ऐसे घोटाले, आर्थिक काण्ड, प्रशासनिक रिश्वतखोरी या भ्रष्टाचार के किस्से उद्घाटित हो रहे हैं कि अन्य सारे समाचार दूसरे नम्बर पर आ जाते हैं। पुरानी कहावत तो यह है कि %%सच जब तक जूतियां पहनता है, झूठ पूरे नगर का चक्कर लगा आता है।%% भ्रष्टाचार देश में अगर बढ़ रहा है, तो किसकी जिम्मेदारी बनती है? भ्रष्टाचार को कौन खत्म करेगा? आजादी के 75वें साल में इस सवाल का उठना अपने आप में गंभीर बात है। इसीलिये आजादी के अमृत स्वप्न में भ्रष्टाचार से मुक्ति भी शामिल है। आज भ्रष्टाचार पर प्रधानमंत्री अगर चिंता जता रहे हैं, तो देश अच्छी तरह से वस्तुस्थिति को समझ रहा है। प्रधानमंत्री ने बिल्कुल सही कहा है कि किसी के पास रहने को जगह नहीं और किसी के पास चोरी का माल रखने की जगह नहीं है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

पैङ्गलोपनिषद् (भाग-10)

गतांक से आगे...

मैं शुद्ध मानस, शुद्ध चैतन्य रूप, सहिष्णु, वह सहिष्णु मैं ही हूँ, इस प्रकार का ज्ञान प्राप्त हो जाने से, ज्ञान के अनुभव से और ज्ञेय परमात्मा के हृदय में भली प्रकार प्रतिष्ठित हो जाने से जब देह को शान्ति पद की प्राप्ति हो जाए, तब साधक मन- - बुद्धि शून्य होकर चैतन्य रूप हो जाता है।

अमृत का पान कर लेने पर दूध से क्या प्रयोजन ? इसी प्रकार अपने आपका ज्ञान (आत्मज्ञान) प्राप्त कर लेने पर वेदों से क्या प्रयोजन (सिद्ध) होता है? ज्ञानामृत से तृप्त योगी के लिए कोई कर्त्तव्य शेष नहीं रहता। यदि कोई कर्त्तव्य शेष रहता है, तो इसका अभिप्राय है कि वह तत्त्वविद् नहीं है। वह दूर स्थित होने पर भी दूर नहीं और पिण्ड में स्थित होने पर भी पिण्ड से पृथक् प्रत्यगात्मा है, जो सर्वव्यापी होता है।

हृदय को निर्मल करके और अपने को मैं अनामय ब्रह्म हूँ, ऐसा चिन्तन करके मैं ही सब कुछ हूँ, ऐसा सोचने व देखने से परम सुख प्राप्त होता है। जिस प्रकार जल में जल, दुग्ध में दुग्ध और घृत में घृत डाल देने से वे एकरूप हो प्रकार जीवात्मा और परमात्मा दोनों मिलकर अविशेष अर्थात् अभिन्न (एक) हो जाते हैं।

जब ज्ञान के द्वारा देह में स्थित अभिमान विनष्ट हो जाता है तथा बुद्धि अखण्डाकार हो जाती है, तब विद्वान् पुरुष ब्रह्मज्ञान रूपी अग्नि से कर्म बन्धनों को भस्म कर देता है। इसके पश्चात् वह विमल वस्त्र के समान पवित्र और अद्वैतरूप परमेश्वर को प्राप्त करके उसी प्रकार अपने आत्म रूप (सत्य स्वरूप) में प्रतिष्ठित हो जाता है, जिस प्रकार जल दूसरे जल में प्रविष्ट होकर (मिलकर) एकरूप हो जाता है।

आत्मा आकाश के सदृश सूक्ष्म और वायु के सदृश दिखाई न पड़ने वाली है। वह बाह्य और अन्दर से भी निश्चल है, जिसे मात्र ज्ञान रूपी उल्का (विद्युत् या मशाल) से ही देखा जा सकता है। ज्ञानी कहीं भी और कैसे भी मृत्यु को प्राप्त करे, वह हर स्थिति में ब्रह्म में ही लय हो जाता है, क्योंकि आकाश के समान ही ब्रह्म भी सर्वव्यापी है।

जिस प्रकार घटाकाश आकाश में विलीन हो जाता है, उसी प्रकार जो योगी अपने को तत्त्वत: जान लेता है, वह सभी ओर से निरालम्ब और ज्ञानालोक स्वरूप ब्रह्म को प्राप्त कर लेता है। यदि कोई एक पैर पर खड़े होकर एक सहस्त्र वर्ष तक तप करे, तो भी वह ध्यान योग की षोडश कलाओं में से एक के बराबर भी नहीं हो सकता। ज्ञान और ज्ञेय को यदि कोई सम्पूर्णरूप से जानना चाहे, तो सहस्त्र वर्ष की आयु पर्यन्त करने पर भी उसका पार नहीं पा सकता। मनुष्य को जानना चाहिए कि मात्र अक्षर ब्रह्म ही सत्य है। मनुष्य का जीवन चञ्चल है; इसलिए शास्त्र जाल को छोड़कर जो सत्य है, उसी की उपासना करे। विभिन्न कर्म - शौच, जप, यज्ञ, तीर्थयात्रा आदि की सार्थकता तभी तक है, जब तक तत्त्व की प्राप्ति न हो। मैं ब्रह्म हूँ यही भाव महात्मा पुरुषों के मोक्ष का आधार होता है। बन्धन और मोक्ष के कारण रूप ये ही दो पद हैं, यह मेरा है (बन्धन), यह मेरा नहीं है (मोक्ष) मेरा है, यह भाव बन्धन में डालता है और मेरा नहीं है, यह भाव मोक्ष प्रदान करता है। जब मन उन्मनी अवस्था (भाव) को प्राप्त हो जाता है, तब द्वैत भाव समाप्त हो जाता है। जब उन्मनी भाव प्राप्त हो जाता है, तभी परम पद प्राप्त होता है। उस अवस्था में जहाँ-जहाँ मन जाता है, वहीं वहीं परम पद है।

क्रमश: ...

सर्वोदय दिवस: खुशी से फांसी पर झूल गए क्रांतिकारी

संपूर्ण भारत में सर्वोदय दिवस 7 अलग-अलग तिथियों पर मनाया जाता है। प्रत्येक दिन की अपनी क्रांतिकारी कहानी और गौरवपूर्ण इतिहास है। राष्ट्रीय स्तर पर इन तिथियों को सर्वोदय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

30 जनवरी : पहला दिन

साल का प्रथम शहीद दिवस 30 जनवरी को राष्ट्रपिता मोहनदास करमचंद गांधी की पुण्यतिथि के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन साल 1948 में हिंदू चरमपंथी नाथूराम गोडसे ने गांधी जी की हत्या कर दी थी। इस दिवस के उपलक्ष पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और रक्षा कर्मी राजघाट स्मारक में स्तिथ समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करते हैं एवं सम्मान के प्रतीक के रूप में इस दिन अंतरङ्कसेवा दल अपने हत्यारों को उल्टा रखते हैं।

23 मार्च : दूसरा दिन

हर साल 23 मार्च को भगत सिंह, सुखदेव थापर और शिवराम राजगुरु की पुण्यतिथि के रूप में शहीद दिवस मनाया जाता है। 23 मार्च 1928 के दिन लाहौर पाकिस्तान में एक ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सांडर्स की हत्या के लिए

इन तीनों स्वतंत्रता सैनानियों को फांसी पर लटका दिया गया था।

19 मई: तीसरा दिन

इस दिन को 'भाषा शहीद दिवस' के रूप में असम में मनाया जाता है। इसी दिन साल 1961 को असमिया भाषा को राज्य का एकमात्र आधिकारिक भाषा बनाने के असम सरकार के फैसले के विरोध में किए गए प्रदर्शन में राज्य पुलिस द्वारा 15 लोगों की हत्या कर दी गई थी।

13 जुलाई: चौथा दिन

13 जुलाई को जम्मू-कश्मीर में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। साल 1931 में इसी दिन महाराजा हरि सिंह के शाही सैनिकों ने महाराजा के विरोध में प्रदर्शन कर रहे 22 प्रदर्शनकारियों को मौत के घाट उतार दिया था।

17 नवंबर : पांचवा दिन

स्वतंत्रता संग्राम की प्रमुख हस्तियों में से एक लाला लाजपत राय की पुण्यतिथि के रूप में ओडिशा में इस दिन को व्यापक रूप से मनाया जाता है। लाला लाजपत राय को उनकी प्रबल विचारधाराओं के लिए उन्हें 'पंजाब के शेर' और 'पंजाब केसरी' की उपाधि दी गई थी। राय की मृत्यु 17 नवंबर 1928 को दिल का दौरा पड़ने से हुई थी।

19 नवंबर: छठा दिन

19 नवंबर को रानी लक्ष्मीबाई की जन्मदिन के उपलक्ष में सम्पूर्ण झांसी में यह दिन शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस को मानने का मुख्य उद्देश्य 1857 के विद्रोह के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वालों को सम्मान देना है। रानी लक्ष्मीबाई उस विद्रोह की प्रमुख हस्ती थीं।

24 नवंबर : सातवां दिन

इस दिन को गुरु तेग बहादुर की पुण्यतिथि के रूप में मनाया जाता है। गुरु तेग बहादुर सिखों के दस गुरुओं में से नौवें गुरु थे, जिन्होंने सिख धर्म और सिख नेताओं के संगठन की स्थापना की थी।

संसद की बहस में एक दूसरे को नीचा दिखाने की जंग

उमेश चतुर्वेदी

जब ज़िंदगी से ही सहजता का लोप होता जा रहा है तो फिर विशुद्ध राजनीति के गढ़ संसद से सहजता की उम्मीद ही बेमानी है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट का ऐन संसद के बजट सत्र के दौरान आना भी सहज नहीं था। यह तय था कि रिपोर्ट आएगी तो संसद में हंगामे का अवसर मिलेगा, फिर अडानी पर सवाल होंगे, उसके बाद प्रधानमंत्री मोदी पर भी सवाल उठेंगे। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी पर हमलावर हुए, उससे सारी योजना साफ नजर आने लगती है। लेकिन इस पूरी बहस को लेकर राजनीति पर निगाह रखने वाले अनुभवी लोगों को जैसा अंदाजा था, पूरा घटनाक्रम ठीक वैसे ही घटा। राहुल गांधी अपनी रौ में आरोप लगाते रहे और उनका समर्थक तंत्र सदा की भांति उनके भाषण को भूतो न भविष्यति साबित करता रहा।

उसके जवाब में भी प्रधानमंत्री मोदी भी हमेशा की तरह आरोपों से बेपरवाह अपने अंदाज में बिना राहुल का नाम लिए उन्हें सलटाते रहे। मोदी के समर्थक हमेशा की तरह वाह वाह करते रहे। लेकिन अपने भाषण में उन्हें न तो अडानी का नाम लेना था और ना ही लिया। कुल मिलाकर सवाल जवाब के इस नोंक झोंक में 8 साल से जारी राजनीतिक एजेण्डा सेटिंग का ही खेल चला। ऐसे में यह सवाल गम्भीरता से जरूर उठना चाहिए कि इस बहसबाजी से उस जनता को कितना फायदा हुआ, जिसके टैक्स के पैसे से संसद चलती है और जिसके प्रति संसद जवाबदेह है। इस सवाल का जवाब शून्य ही होगा, और कुछ नहीं। अडानी मसले पर संसद में बहस होती रही। इसमें बहस कम, आरोप लगाने का एजंडा ज्यादा दिखा। विपक्ष की ओर से लोकसभा में राहुल गांधी तो राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोर्चा संभाला। दोनों सदनों में जवाब प्रधानमंत्री मोदी ने दिया। राहुल गांधी ने पूरी कोशिश की थी, उनके इकोतन्त्र ने भी साथ दिया था कि प्रधानमंत्री को कांग्रेस की पिच पर बल्लेबाजी के लिए उतरने को मजबूर कर दिया जाए। लेकिन मोदी कांग्रेस की बजाय अपनी पिच पर धुंआधार बल्लेबाजी करके निकल लिये। उन्होंने दोनों सदनों में एक बार भी अडानी का नाम नहीं लिया। उलटे कांग्रेस और राहुल की बखिया उधेड़ कांग्रेसियों की खुन्नस और बढ़ा गए।

संसद के बजट सत्र में कांग्रेस की समूची कोशिश है कि मोदी और अडानी के रिश्ते को संसद के भीतर मुद्दा बनाया जाए। इस दौरान अडानी के कारोबार की बढ़त के साथ मोदी का हाथ होने के तथ्य को स्थापित करने का प्रयास हो रहा है तो मोदी सदा की तरह राहुल

को कमजर्फ ही साबित करने की कोशिश में लगे रहे। बहस देख-सुनकर कभी नहीं लगा कि यह राष्ट्रीय बहस है। राहुल गांधी एवं कांग्रेस की कोशिश बहस के मुलम्मे में निजी खुन्नस का इजहार करना था। ऐसे माहौल से निबटने के अभ्यस्त प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह पिच आसान हो गई। नैरेटिव के आधार पर समर्थन और विरोध की राजनीति करने वाले चंद लोगों को छोड़ दें तो इस पूरी बहस से कोई फायदा नहीं मिला। संसद के मंच का लक्ष्य लोक और राष्ट्र हित होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से यह मंच इन दिनों कुछ ज्यादा ही राजनीतिक खेमेबंदी, उतार-चढ़ाव के प्रकटीकरण का माध्यम बन गया है। यह बहस बेमानी है कि इसके लिए ज़िम्मेदार कौन है। दरअसल हमने जिस तरह की व्यवस्था स्वीकार की है, उसमें इसके लिए किसी एक को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता। आज के दौर में संसदीय विपक्ष का मकसद विरोध के लिए विरोध करना और सत्ता पक्ष को नीचा दिखाना हो गया है। जवाब में सत्ता पक्ष भी विपक्ष की बखिया उधेड़ने पर आमादा नज़र आता है। ऐसी बहसों से राष्ट्र, उसके लोक और उसके भविष्य को जो हासिल हो सकता है, वही इस बहस का प्राप्य समझा जा सकता है।

संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के नाम पर अडानी और मोदी संबंधों पर हुई इस बहस के पहले अडानी की सम्पत्ति 130 अरब डॉलर से घटकर 58 अरब डॉलर रह गई थी। लेकिन बहस के सिर्फ तीन दिन के भीतर अडानी के शेयरों में एक बार फिर से तेजी दिखाई देने लगी है। अब विपक्ष से पूछा जा सकता है कि क्या मोदी-अडानी गठबंधन इतना प्रभावी है कि अडानी के शेयर एक बार फिर ऊंचाई की ओर जाने लगे। वैसे इस पूरी बहस में राहुल गांधी यह क्यों भूल गए कि कारोबार में अडानी के जिस एकाधिकार और विशेषज्ञता पर सवाल उठा रहे हैं, उसका उदारीकरण के इस दौर में कोई मतलब नहीं रह जाता। उदारीकरण के दौर में बड़े कॉरपोरेट घरानों को मदद करना सरकारों की अघोषित नीति बन गया है। जाहिर तौर पर उदारीकरण की इस नीति पर चलने का काम मोदी सरकार ने नहीं किया बल्कि कांग्रेस की नरसिंहराव सरकार ने किया था। राहुल गांधी यह क्यों भूल गए कि जब कांग्रेस की मनमोहन सरकार थी तो उनके बहनोई रॉबर्ट वाड्रा से भी अडानी की नजदीकी रही। राहुल गांधी यह कैसे भूल गए कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ की उनकी ही पार्टी की सरकारें क्यों अडानी के स्वागत में लाल कालीन बिछाए खड़ीं हैं?

अगर अडानी और अंबानी ही मुद्दा हैं तो फिर किस सरकार की जरूरत नहीं है? बहस तो इस पर होनी चाहिए कि बिग कॉरपोरेट पैदा करने की नीति पर हमें कितना आगे बढना है। 140 करोड़ के देश में क्या चंद बड़े कॉरपोरेट घराने देश के समग्र विकास को सुनिश्चित कर सकते हैं? दुर्भाग्य से इस पर न तो कांग्रेस बात कर रही है और न ही बीजेपी। राष्ट्रपति के अभिभाषण के बहाने संसद में हुई बहस का एकमात्र मकसद सिर्फ अपने-अपने राजनीतिक दृष्टिकोण को स्थापित करना और दूसरे के परसेप्शन को खारिज करना और नीचा दिखाना रहा। बेशक इस खेल की शुरुआत कांग्रेस ने की लेकिन बाद में प्रधानमंत्री मोदी भी इसी परसेप्शन की लड़ाई लड़ते नजर आये।

गांधी आज

सामुदायिक सत्याग्रह (भाग-02)

सत्य और अहिंसा द्वारा स्वराज्य प्राप्त करने के लिए सांप्रदायिक एकता, अस्पृश्यता-निवारण, व्यापक खादी प्रचार और मद्य निषेध के विषय में यदि जनता में प्रबल बहुमत तथा सत्याग्रह में दिलचस्पी रखने वालों में संपूर्ण एकमत न हो तो सामुदायिक सत्याग्रह के लिए अनुकूल परिस्थिति नहीं मा़ी जा सकती। तब तक सच्चा स्वराज्य असंभव ही है।

सत्याग्रह की किसी भी लड़ाई के पूर्व और उसके दौरान में भी विरोधी व्यस्था या अधिकाीर के विषयम` तिस्कार का भाव न होना चाहिए और ऐसा भाव पैदा करने वाली भाषा का व्यवहार न करना चाहिए। यदि प्रचारकों को वैसा करने से रोका न जा सकता हो तो यह अनुकूल परिस्थिति नहीं मानी जा सकती।

गुप्त प्रबंध किए बिना सत्याग्रह का जारी रहना शंकास्पद हो तो यह अनुकूल स्थिति नहीं है। जब तक अनुकूल परिस्थित न हो तब तक चतुर्विध रचनात्मक कार्यक्रम तथा दूसरी लोकोपयोगी सेवा करते रहना ही स्वराज्य की साधना है। बहुत वर्षों तक ऐसा करना पड़े तो भी इसमें हानि न हीं है। इसे प्रगति ही कहेंगे, पीछे हटना नहीं।

संक्षिप्त समाचार

सीजीपीएससी प्री-2022 व्यवस्थित और शांतिपूर्ण संपन्न हो - कलेक्टर

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। कलेक्टर श्रीमती प्रियंका ऋषि महोबिया की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट के अरपा सभा कक्ष में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग प्रारंभिक परीक्षा 2022 की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री बी.सी. एक्का उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ पीएससी की प्रारंभिक परीक्षा 2022 रविवार 12 फरवरी 2023 को दो पालियों में आयोजित किया गया है। प्रथम पाली-प्रातः 10 बजे से 12 बजे और द्वितीय पाली-अपरान्ह 3 से 5 बजे संपन्न होगा। परीक्षा में प्रवेश हेतु अभ्यर्थी के पास प्रवेश पत्र के साथ पहचान पत्र लाना अनिवार्य है। जिले में कुल 9 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं, जो गौरेला और पेन्ड्रा में होंगे, जिसमें कुल 2095 परीक्षार्थी शामिल होंगे। कलेक्टर श्रीमती महोबिया ने बैठक में कहा कि यह गर्व की बात है कि गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले को छत्तीसगढ़ पीएससी ने राज्य सेवा परीक्षा के लिए पहली बार परीक्षा केन्द्र बनाया है। हमारा परफार्मेन्स अच्छे से अच्छा होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केन्द्राध्यक्ष अभ्यर्थियों को परीक्षा के पूर्व सूचना दे दें कि किसी भी प्रकार का नकल, डिजिटल घड़ी आदि यदि आपके पास हैं तो उसे केंद्राध्यक्ष को दे दें। यदि निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार का नकल सामग्री पाई जाती है तो परीक्षा से वंचित कर दिया जाएगा। किसी भी परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने के 15 मिनट के बाद किसी भी हालत में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। कलेक्टर ने जिला प्रशासन के कुशल नेतृत्व में सीजीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा 2022 संचालित करने के लिए शांति, सौहार्द्रपूर्ण और सभी अधिकारियों को समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए।

हेल्थ केयर्स में एएचपीआई ने छत्तीसगढ को दिया बेस्ट चैप्टर का अवार्ड

जयपुर। एसोसिएशन ऑफ हेल्थ केयर्स प्रोवाइडर (एएचपीआई) द्वारा जयपुर में आयोजित ग्लोबल कॉन्क्लेव में एएचपीआई छत्तीसगढ़ को 2022 - 2023 के लिए बेस्ट चैप्टर का अवार्ड दिया गया। एएचपीआई के राष्ट्रीय डायरेक्टर जनरल डॉ. गिरिधर ज्ञानी से एएचपीआई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता और सचिव अतुल सिंघानिया ने यह अवार्ड प्राप्त किया। एएचपीआई के 20 राज्यों में 21,000 से ज्यादा सदस्य हैं और यह देश के 1/6 स्वास्थ्य क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है।इस संस्था से अंतरराष्ट्रीय कॉन्फेंस में अवार्ड प्राप्त करना छत्तीसगढ़ी के लिए बड़ी उपलब्धि है।

विज्ञान एवं गणित ओलंपियाड 15 फरवरी को

अम्बिकापुर। जिला मिशन संचालक समग्र शिक्षा एवं जिला परियोजना संचालक समग्र शिक्षा के मार्गदर्शन में जिले के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 5 वीं 6 वीं एवं 9 वीं के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान एवं गणित ओलंपियाड का आयोजन 15 फरवरी 2023 को प्रातः 10.30 बजे से 12.00 बजे तक किया जाएगा। परीक्षा का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा के नियंत्रण में किया जाएगा। विकासखंडों में परीक्षा के संचालन, निरीक्षण एवं मूल्यांकन के लिए विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं सम्बंधित संस्था के प्राचार्य को नोडल बनाया गया है जो निर्धारित समय-सीमा में परीक्षा आयोजन एवं मूल्यांकन का कार्य संपन्न कराएँगे। यह परीक्षा पूरे राज्य के सभी शासकीय विद्यालयों में एक ही तिथि एवं समय पर आयोजित है। इस परीक्षा में जिस संस्था के विद्यार्थी भाग लेंगे वहीं विद्यालय उनका परीक्षा केंद्र होगा संस्था प्रमुख उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन उसी संस्था में कराके संकुल समन्वयक के माध्यम से विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को एक दिवस में उपलब्ध कराएंगे।

कोलाहल अधिनियम के तहत ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिले में शालेय एवं महाविद्यालय वार्षिक परीक्षा 1 मार्च से प्रारंभ होने से विद्यार्थियों के अध्ययन कार्य में व्यवधान न हो, इस हेतु छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 6(2) एवं 10(2) के साथ पठित भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 133 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए एतद् द्वारा संपूर्ण दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले में आदेश जारी होने की तिथि से 15 मई तक की अवधि में अधिनियम की धारा 13 (1) में उल्लेखित अवसरों को छोड़कर धारा 2क,ख एवं ग के अंतर्गत परिभाषित कोलाहल एवं समस्त ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर पूर्ण समय (दिन/रात) के लिए प्रतिबंध लगाई जाती है।

नवागांव में श्रीमद भागवत कथा संपन्न

पाटन। ग्राम नवागांव में चल रहे श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ शुक्रवार को संपन्न हुआ। कथा वाचक बालविदुषी दिव्य कन्या भगवती रेणुका दीदी जी गोस्वामी ने श्रीमद भागवत गीता का महत्व बताते हुए कहा- गीता में सभी समस्याओं का समाधान है।जो कभी न कभी प्रत्येक मानव के समक्ष आती है। भगवत गीता हमें सिखाती है कि व्यक्ति को केवल और केवल अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए और कर्म करते समय ध्यान रखना चाहिए कि जो कर्म हम कर रहे है वह सब लौटकर जरूर आयेंगा। यह आयोजन श्रीमती ढेला बाई वर्मा सुपुत्र कमलनारायण वर्मा द्वारा संपन्न हुआ एवं समस्त ग्रामवासी नवागांव सहयोगी रहे।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष की हत्या, नक्सलियों के बदली रणनीति का हिस्सा?

बस्तर के भाजपा नेताओं के रक्त की एक-एक बूंद अलोकतांत्रिक ताकत पर गाज बनकर गिरेगी - डॉ. रमन

जगदलपुर। केंद्र व राज्य सरकार नक्सल इलाके में नक्सलियों का सफाया करने लगातार नक्सल ऑपरेशन चला रहा है, साथ ही नक्सलियों के कोर इलाकों में कैंप खोले जा रहे हैं, इससे नक्सलियों का दायरा सिमटता जा रहा है, जिससे नक्सली वारदातों में कमी आई है। वहीं बौखलाए नक्सलियों द्वारा बदली हुई रणनीति के तहत भाजपा नेताओं की हत्या के सिलसिलेवार वारदात को अंजाम देने और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आने से पहले शुक्रवार की रात के करीब 8 बजे भाजपा के नारायणपुर जिला उपाध्यक्ष सागर साहू के घर में पंहुचकर हत्या की वारदात को अंजाम देना केंद्र सरकार को संदेश देने उनकी रणनीति का अहम हिस्सा के रूप में देखा जा रहा है। वहीं भाजपा नेता की हत्या पर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने ट्वीट भी इसी ओर इंगित करता है। डॉ. रमन सिंह ने ट्वीट कर लिखा कि नारायणपुर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष सागर साहू की नक्सलियों द्वारा हत्या पूरी भाजपा पर हमला है। सागर साहू का बलिदान व्यर्थ नहीं जायेगा, मैं दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक-संतप्त परिवार को इस कठिन समय में धैर्य प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। पिछले 1 महीने में बस्तर क्षेत्र के 3 भाजपा नेताओं की हत्या आखिर किस साजिश के तहत की जा रही है? बस्तर के लिए समर्पित इन नेताओं के रक्त की एक-एक बूंद जो छत्तीसगढ़ महतारी के आंचल पर गिरी है, वह हर अलोकतांत्रिक ताकत पर गाज बनकर गिरेगी।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जगदलपुर भाजपा कार्यालय में बीजापुर और बस्तर के दिवंगत भाजपा कार्यकर्ताओं के परिजनों से मिले। जेपी नड्डा ने मृतकों के परिजनों से कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरी पार्टी उनके परिवार के साथ खड़ी है। वहीं परिवार वालों ने निष्पक्ष जांच की मांग की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात के करीब 8 बजे भाजपा के जिला उपाध्यक्ष सागर साहू अपनी पत्नी और बच्चों के साथ घर पर ही थे। पत्नी किचन में खाना बना रही थी, और बच्चे दूसरे कमरे में बैठकर पढ़ाई कर रहे थे, सागर हॉल में सोफे पर बैठकर टीवी देख रहे थे। इसी बीच दो अज्ञात नक्सली उनके घर पहुंचे, दरवाजा खटखटाया, सागर ने दरवाजा खोला। दोनों अज्ञात युवक ग्रामीण वेशभूषा में थे, एक के हाथ में गन थी। दरवाजा खोलते ही दोनों जबरदस्ती घर के अंदर घुस आए। फिर जिसने गन पकड़ी हुई थी उसने सागर पर 2 राउंड फायर कर दिया, गोली सागर साहू के कनपटी पर लगी, जिससे सागर सोफे पर ही गिर गए। इधर, गोली की आवाज सुनकर पत्नी और बच्चे दौड़कर हॉल में पहुंचे। जिन्होंने हाथ में गन पकड़े 2 लोगों को बाइक से भागते हुए देखा।

सोफे पर खून से लथपथ पड़े सागर को देख पत्नी और बच्चे चीख-चीखकर रोने लगे थे। रोने और चीखने की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग भी इकट्ठा होना शुरू हो गए थे। करीब 5 मिनट के अंदर ही यह पूरी घटना को नक्सलियों ने अंजाम देकर फरार हो गये। ग्रामीणों ने वारदात की जानकारी पुलिस को दी। ग्रामीणों ने बताया कि गोली लगने के बाद भी सागर की सांस चल रही थी। परिजनों और ग्रामीणों ने बिना देर किए सागर को छोटे डोंगर के अस्पताल लाया। यहां डॉक्टर ने तुरंत उन्हें नारायणपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। छोटे डोंगर से नारायणपुर जिला अस्पताल जाने के दौरान रास्ते में ही सागर की मौत हो गई। जब नारायणपुर पहुंचे तो डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सागर के घर से करीब 1 किमी की दूरी पर पुलिस थाना है। वारदात के बाद छोटे डोंगर थाना के जवान भाजपा नेता सागर साहू के घर पहुंचकर घटना स्थल से गोली के 2 खोखे बरामद किए हैं। खोखे देखकर पुलिस ने एके -47 गन का इस्तेमाल करने की आशंका जताई है। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष सागर साहू को नक्सलियों ने पहले ही धमकी दी थी, इससे स्पष्ट है कि वे नक्सलियों के निशाने पर थे। इस वारदात के बाद सागर साहू की पत्नी और बच्चे दहशत में हैं। फिलहाल वे नारायणपुर में किसी भाजपा नेता के घर पर ठहरे हुए हैं। नारायणपुर एएसपी हेमसागर सिदार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चल रहा है कि नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम ने वारदात को अंजाम दिया है, फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

मंत्री डॉ. डहरिया कबीर आश्रम सत्संग समारोह में हुये शामिल

रायपुर। सदगुरु कबीर देव एवं सदगुरु अभिलाष देव की पुण्य स्मृति में रायपुर जिले के ग्राम संकरी (कोरासी) में कबीर पंथी साहू समाज के द्वारा 20 वां वार्षिक सत्संग समारोह का आयोजन किया कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन, विकास एवं श्रम मंत्री डॉ शिवकुमार डहरिया शामिल हुये और उन्होंने मुख्य प्रवक्ता धर्मेंद्र साहेब का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर मंत्री डॉ.डहरिया ने पंचायत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। निर्माण कार्यों में कबीर आश्रम में शेड निर्माण लागत 10 लाख रूपये, नवीन पंचायत भवन निर्माण लागत 14.15 लाख रूपये, उपस्वास्थ्य केंद्र में अहाता निर्माण लागत 7 लाख रूपये, हाई स्कूल में अहाता निर्माण लागत 7लाख रूपये, नवीन है स्कूल में शेड निर्माण लागत 08लाख रूपये, बाजार चौक में सीसी रोड़ निर्माण लागत 6 लाख रूपये, यात्री प्रतीक्षालय लागत 03 लाख रूपये के विकास कार्य का लोकार्पण किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्री द्वारिका प्रसाद साहू डायरेक्टर अपेक्स बैंक रायपुर, श्री खिलेश्वर देवांगन अध्यक्ष जनपद पंचायत आरंग, दुर्गा राय जिला पंचायत सदस्य, केशरी मोहन साहू जिला पंचायत सदस्य, प्रीति चंद्रशेखर साहू जनपद सदस्य, श्री कोमल सिंह साहू भगवती धुरंधर, श्री राजेश धुरंधर, श्री संतोष कुमार साहू, श्री नारायण प्रसाद साहू सहित अनेक पंचायत प्रतिनिधि और नागरिक मौजूद थे ।

अग्रसेन कालेज में पत्रकारिता विभाग का राष्ट्रीय सेमिनार का समापन

■ 'मीडिया को सही दिशा देने के लिए मीडिया साक्षरता आवश्यक'

रायपुर। अग्रसेन महाविद्यालय में पत्रकारिता विभाग द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आज सम्पन्न हो गया. इस सेमीनार के तीसरे और अंतिम दिन मीडिया की भूमिका और मीडिया कानून पर समग्र रूप से अपने विचार रखते हुए केन्द्रीय विश्व विद्यालय मोतीहारी (बिहार) के प्राध्यापक डॉ परमात्मा कुमार मिश्र, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय के रीडर डॉ नरेंद्र त्रिपाठी, रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में विधि संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ अनंतराम प्रधान एवं रायपुर दूरदर्शन के सहायक निदेशक श्री प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि मीडिया में जब जनहित के मुद्दे गायब होने लगें, तो हमें ही जागरूक होना पड़ेगा. ऐसे में मीडिया के लिए बने कानूनों का अनुपालन कराने के लिए भी जनता को ही सक्रिय होना पड़ेगा. यह मीडिया साक्षरता से ही संभव है. आज के दो अन्य वक्ताओं ने भी लोक तंत्र की मजबूती के लिए मीडिया कानूनों के अनुपालन पर जोर दिया. पहले सत्र कि अध्यक्षता करते हुए डॉ परमात्मा कुमार मिश्र ने कहा कि मीडिया में हर दिन नई तकनीक आ रही है. कोई भी तकनीक अपने आप में अछि या बुरी नहीं होती. ठीक उसी प्रकार जैसे चाकू अच्छी या बुरी नहीं है, लेकिन उसका इस्तेमाल करते समय हम उसका सदुपयोग और दुरूपयोग दोनों कर सकते हैं. इस कार्य में मीडिया की भूमिका सबसे अहम होती है. उन्होंने कहा कि मीडिया को समय समय पर उसकी भूमिका बताने के लिए नागरिक को ही जिम्मेदारी लेनी होगी आज के सत्र में प्रसार भारती अधिनियम,

सिनेमेटोग्राफी एक्ट और केबल टीवी एक्ट के अनुपालन पर अपने विचार रखते हुए रायपुर दूरदर्शन के सहायक निदेशक श्री प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार ने सभी प्रकार के मीडिया को अराजक होने से रोकने के लिए पर्याप्त कानून बनाया हुआ है. किन्तु कई बार विभिन्न कारणों से इन कानूनों का अनुपालन नहीं हो पाता. और तभी हम टेलीविजन, ओटीटी, केबल टीवी या सिनेमा में कुछ ऐसे दृश्य या प्रसंग देखने पर विवश हो जाते हैं, जिसे पहले ही रोक दिया जाना चाहिये था. यहीं पर सिनेमेटोग्राफी और केबल टीवी एक्ट की भूमिका होती है. आज के दूसरे वक्ता रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में विधि संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ अनंतराम प्रधान ने साइबर कानून के अनुपालन विषय पर कहा कि वर्तमान समय में सूचना क्रांति के कारण रोज हमें नई-नई तकनीकी से जुड़ना पड़ रहा है. लेकिन हम सभी तकनीकों को पूरी तरह से नहीं जान पाते।

अखंड ब्राह्मण समाज सेवा समिति के मासिक बैठक सम्पन्न

रायपुर। अखंड ब्राह्मण समाज सेवा समिति के मासिक बैठक प्रदेश कार्यलय रायपुर में सम्पन्न हुआ । बैठक में संगठन द्वारा सनातन धर्म रक्षार्थ एवम उत्थान तथा समाज उत्थान हेतु किए जाने वाले आगामी कार्यक्रम के बारे में विस्तृत चर्चा हुई । प्रदेश अध्यक्ष योगेश तिवारी ने बताया कि संगठन द्वारा शिवरात्रि के उपलक्ष में वृहत रुद्राभिषेक ,हवन पश्चात भोग प्रसादी वितरण किया जाएगा । प्रदेश महासचिव बिपिन पाठक जी ने संगठन विस्तार हेतु विस्तृत चर्चा किया । उपरोक्त बैठक में नारिशक्ति प्रकोष्ठ प्रदेश संयुक्त सचिव श्रीमती सविता शर्मा ,रायपुर शहर अध्यक्षा श्रीमती सुनीता तिवारी,शहर सांस्कृतिक सचिव श्रीमती साधना शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ एस के शर्मा,प्रदेश महासचिव बिपिन पाठक ,संरक्षक विनोद शर्मा रायपुर जिला संयोजक अवधेश धर दीवान आदि उपस्थित थे ।

पं. राजेंद्र प्रसाद शुक्ल की जयंती पर व्याख्यान

शब्द शास्त्र भी हैं, शब्द शस्त्र भी हैं- कोठारी

रायपुर। संप्रेषण हो या अभिव्यक्ति, दोनों के मूल में शब्द हैं। शब्द शास्त्र भी हैं, शब्द शस्त्र भी हैंऔर शब्द ब्रह्म भी हैं। मायने रखता है कि आप बुद्धि से बोलते हैं या मन से। ये बातें पत्रिका समूह के प्रधान संपादक आचार्य कोठारी ने शुक्रवार को रायपुर में कही। वे छत्तीसगढ़ के पहले विधानसभा अध्यक्ष पं. राजेंद्र प्रसाद शुक्ल की जयंती पर समता कॉलोनी स्थित महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज में आयोजित पत्रकारिता के पुरोधा कर्पूर चंद्र कुलिश व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए।

श्री कोठारी ने कहा, संप्रेषण के लिए दो बातों को समझना जरूरी है। एक व्यक्ति का स्वरूप यानी उसका शरीर और दूसरी आत्मा। आत्मा मरती नहीं तो माता-पिता उसे पैदा भी नहीं कर सकते। जिसे पैदा किया जाता है, वह संप्रेषण करना नहीं जानता। बुद्धि सूर्य से मिलती है। उसमें उष्मता है। वह तोडने् का काम करती है। दूसरों को परिमार्जित करने का प्रयास करती है। मन चंद्रमा से आ रहा है। वह शीतल है, बांधने का काम करता है। उसमें ममता है, करूणा है। आयोजन छत्तीसगढ़ साहित्य एवं संस्कृति संस्थान ने किया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे छत्तीसगढ़

के प्रमुख लोकायुक्त टी पी शर्मा। उन्होंने पत्रकारिता और साहित्य के संबंध को समाज के लिए आवश्यक बताया। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता श्री निर्मल शुक्ल ने विधि को जोड़ कर पत्रकारिता के अनेक उदाहरण दिए।

प्रारंभ में संस्था के अध्यक्ष डॉ सुशील त्रिवेदी ने स्वागत भाषण दिया। संरक्षक विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा ने कहा कि श्री कोठारी धर्म, अध्यात्म, साहित्य और पत्रकारिता के श्रेष्ठ अध्येता हैं। अतिथियों का स्वागत जस्टिस अनिल शुक्ला, डॉ सुरेश शुक्ला, अरविंद मिश्रा, अजय तिवारी, डॉ देवाशीष मुखर्जी आदि ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुधीर शर्मा महासचिव ने किया और वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ लक्ष्मीशंकर निगम ने आभार व्यक्त किया।

आफ्ट विश्विद्यालय के छात्र-छात्राएं आयोग की जनसुनवाई से हुए अवगत

रायपुर। महिला आयोग की सुनवाई में आफ्ट विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं आयोग की सुनवाई से अवगत हुए। आयोग की अध्यक्ष डॉ किरणमयी नायक ने छात्रों को आयोग की सुनवाई कार्यवाही से अवगत कराते हुए कहा कि अपने भविष्य को सोच समझकर निर्णय ले जिससे आपका जीवन सफल हो। साथ ही डॉ नायक ने सभी छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की है। राजधानी रायपुर के शास्त्री चौक स्थित छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग कार्यालय में आयोग द्वारा जन सुनवाई की गयी। सुनवाई के दौरान आयोग की अध्यक्ष डॉ किरणमयी नायक के द्वारा की गई सुनवाई में फैसला सुनाया जिसमे 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला के इंदिरा आवास को सौतेले बेटे बहु ने हड़प लिए- आयोग के निर्देश पर गांव की सरपंच समस्त दस्तावेजों को आयोग में प्रस्तुत करेगी, आयोग की समझाइश पर पति 2 लाख 50 हजार रुपये अपने पत्नी को भरण पोषण देने हुआ तैयार, आवेदिका के पति की कार्यस्थल पर काम करने के दौरान हुई मृत्यु- आयोग में सुनवाई के बाद आवेदिका को लेबर कोर्ट से 8 लाख 41 हजार रुपये

मुआवजा राशि मिलेगी। सुनवाई से पहले डॉ नायक ने आयोग के कार्य प्रारूप के बारे मे बताया। जिसमें आयोग की भूमिका, सुनवाई के तौर तरीके आदि चीजों के बारे में विस्तृत चर्चा की।

आयोग के सुनवाई के प्रकरणों में आवेदक और अनावेदकों के बातों को सुनते हुए विश्वविद्यालय के छात्रों को उसके अन्य पहलुओं पर भी ध्यान देने के लिए प्रेरित किये गए जिसमें विभिन्न मामलों को लेकर तमाम कानूनी तौर तरीकों को भी बताया जा रहा था। विभिन्न प्रकार के सामाजिक ,आर्थिक, पारिवारिक, व्यावसायिक, आदि अन्य मुद्दों पर अलग अलग मामलों में कार्रवाई के द्वारा विषयों को समझाया गया जिस दौरान बीच बीच में छात्रों ने सवाल जबाब भी किये गए। सुनवाई में 35 प्रकरण रखे गए थे जिसमें 20 से अधिक मामलों मे सुनवाई की गयी।

जन सुनवाई के दौरान आयोग की सदस्य, श्रीमती नीता विश्वकर्मा, श्रीमती अनीता रावटे, उपस्थित रहे साथ ही आफ्ट विश्विद्यालय से विशेष रूप से एशियन एकेडमी ऑफ़ फिल्म एंड टेलीविजन विश्विद्यालय रायपुर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष सोमनाथ साहू, सहित असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ शिव गोपाल यादव, अंकिशा मिश्रा और विभाग के सभी छात्र- छात्रा उपस्थित थे।

बजट सत्र में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने प्रस्ताव लाया जाएगा-मुख्यमंत्री

वर्तमान दौर में असंसदीय शब्द के प्रयोग को पूर्णतः हतोत्साहित करने की सख्त जरूरत है

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजधानी के एक निजी होटल में आयोजित फेडरेशन ऑफ पीटीआई एम्प्लाइज यूनियन्स द्वारा आयोजित नेशनल मीडिया कान्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुए कहा है कि वर्तमान दौर में असंसदीय शब्द के प्रयोग को पूर्णतः हतोत्साहित करने की सख्त जरूरत है और सदन की गरिमा को बनाए रखने के लिए मर्यादित व्यवहार का पालन जरूरी है। उन्होने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ बजट सत्र में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून का प्रस्ताव लाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री बघेल ने मीडिया को लेकर अपनी बात की है। कान्फ्रेंस के थीम में असंसदीय भाषा के मीडिया और लोकतंत्र में बढ़ते प्रयोग पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की अहम भूमिका होती है। लोकतंत्र और मीडिया आधुनिक युग में न सिर्फ एक दूसरे के पूरक है बल्कि एक दूसरे के बिना उनका कोई अस्तित्व ही संभव नहीं है। पूरे विश्व में लोकतंत्र स्थापित करने में मीडिया ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि इस कान्फ्रेंस में मुख्य रूप से मीडिया और लोकतंत्र में असंसदीय शब्दों के प्रयोग पर विमर्श हो रहा है, निश्चित रूप से यह भाषाई प्रदूषण पत्रकारिता और लोकतंत्र दोनों के लिए ही खतरनाक है। यह वास्तव में विचारणीय है। असंसदीय भाषा का

लोकहित से कोई सरोकार नहीं होता, यह केवल और केवल घृणित तरीके से कुंठाओं को ही व्यक्त करती है। मुख्यमंत्री बघेल ने बताया कि असंसदीय भाषा का अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से भी कोई लेना-देना नहीं है। भारतीय संस्कृति में स्वतंत्रता का सम्मान किया गया है, तो मर्यादा की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ विकास की दिशा में देश का एक तेजी से उभरता हुआ राज्य है। यहां हर वर्ग के लोगों के हितों को ध्यान में रखकर कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के पत्रकार अपने पेशागत दायित्वों के साथ-साथ पारिवारिक दायित्वों को बेहतर तरीकों से निर्वाह कर सकें। इसके लिए कई तरह की योजनाओं का संचालन राज्य में किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने की दिशा में तेजी से पहल की जा रही है और बजट सत्र में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने प्रस्ताव लाया जाएगा। यहां वरिष्ठ मीडियाकर्मी सम्मान निधि योजना संचालित है। इस योजना में पत्रकारों को दी जानी वाली राशि को बढ़ाकर हमने दो गुना कर दिया है। राज्य में नए अधिमान्यता नियमों के अंतर्गत मीडिया संस्थानों में अधिमान्यता कोटा भी दोगुना कर दिया गया है। अब राज्य स्तर से लेकर विकासखंड स्तर तक अधिमान्यता दी जा रही है। पत्रकारों को गंभीर बीमारी के इलाज आदि के लिए आर्थिक सहायता प्रदाय की जाती है।

बस्तर में भाजपा नेताओं की हत्या के मायने

बस्तर में नक्सलियों ने एक महीने के भीतर भाजपा के तीन जमीनी नेताओं की हत्या कर दी। इससे साफ़ लग रहा है कि नक्सली इलाके में भाजपा की पहुंच बढ़ रही है। भाजपा के छोटे-बड़े नेता बस्तर पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। धर्मान्तरण और दूसरे मुद्दों को लेकर बस्तर में पूर्व मंत्री केदार कश्यप और दूसरे नेता लगातार सक्रिय हैं, वहीं अजय जामवाल भी कई बार दौरा कर चुके हैं। प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने भी बस्तर जाकर कार्यकर्ताओं में जोश भरा है। विधानसभा चुनाव के करीब नौ महीने पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का जगदलपुर पहुंचना मायने रखता है। जेपी नड्डा 11 फ़रवरी को नारायणपुर जाकर नक्सली हिंसा के शिकार सागर साहू के परिजनों और पार्टीजनों से मिले। राष्ट्रीय अध्यक्ष का नक्सल इलाके में जाना संकेत देता है कि पार्टी 2023 के विधानसभा चुनाव के लिए अभी से गंभीर है। बस्तर में भाजपा की स्थिति 2018 जैसी नहीं है। अब राज्य में सरकार कांग्रेस की है। बस्तर में भाजपा करो या मरो की रणनीति पर आगे बढ़ रही है, ऐसे में कांग्रेस नेताओं को भी कमर कसनी पड़ेगी।

कही-सुनी

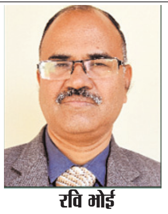

रवि भोई

कहीं पे निगाहें, कहीं पर निशाना

कहा जा रहा है प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री अमरजीत चावला को नोटिस के बहाने पार्टी के एक खेमे ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम पर निशाना साधा है।अमरजीत चावला को मोहन मरकाम का आंख-कान माना जाता है। पीसीसी दफ्तर राजीव भवन में भवन निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष सन्नी अग्रवाल से विवाद के बाद अमरजीत चावला चर्चा में आए। इस घटना के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सन्नी अग्रवाल को पार्टी से सस्पेंड कर दिया और अमरजीत चावला को अपने से जोड़ लिया। कहते हैं मोहन मरकाम ने ही अमरजीत चावला को महामंत्री संगठन की जिम्मेदारी सौंपी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मोहन मरकाम की मुलाक़ात के दौरान भी कई बार अमरजीत चावला नजर आए। माना जा रहा है कि पार्टी के एक खेमे को यह उड़ान रास नहीं आया और मौका मिलते ही तीर चला दिया। खबर है कि मोहन मरकाम विरोधी खेमा सन्नी अग्रवाल के मामले में पीसीसी अध्यक्ष के रुख से सहमत नहीं था। अमरजीत चावला पर एक्शन से कुछ कांग्रेसी कहीं पे निगाहें, कहीं पर निशाना गाना गुनगुना रहे हैं।

नीरज बंसोड़ की ऊंची छलांग

छत्तीसगढ़ कैडर के 2008 बैच के आईएएस नीरज बंसोड़ के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्राइवेट सेक्रेटरी बनने से कुछ आईएएस और भाजपा नेता बल्ले-बल्ले हैं। अमित शाह से मिलने का माध्यम नीरज बंसोड़ ही रहेंगे।

कुछ लोग नीरज बंसोड़ के वहां तक पहुंचने का लिंक तलाश रहे हैं। कहा जा रहा है आरएसएस के कुछ लोगों की सिफारिश पर नीरज बंसोड़ का चयन अमित शाह के प्राइवेट सेक्रेटरी के तौर पर हुआ है। नीरज बंसोड़ मूलतः महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। वे सुकमा, कवर्धा और जांजगीर-चांपा के कलेक्टर, बिलासपुर जिला पंचायत के सीईओ रह चुके हैं। वे संचालक स्वास्थ्य के पद से भारत सरकार में पिछले साल ही प्रतिनियुक्ति पर गए थे। अमित शाह के पीएस बनने को नीरज बंसोड़ के लिए ऊंची छलांग मानी जा रही है। माना जा रहा है कि नीरज बंसोड़ के अमित शाह के दफ्तर में पोस्टिंग से भारत सरकार उनसे छत्तीसगढ़ के बारे में और बहुत कुछ जानकारी ले सकती है।

ईडी के टारगेट में कुछ और आईपीएस

कहते हैं ईडी के निशाने पर आए कुछ आईपीएस अफसरों को राज्य सरकार ने प्राइम पोस्टिंग से हटाकर लूप लाइन में भेज दिया है। कहा जा रहा है अभी 3 -4 आईपीएस ईडी के टारगेट में सीधे आ गए हैं। आने वाले समय में कुछ और आईपीएस अफसरों का नाम ईडी की सूची में दर्ज हो सकता है।

ईडी राज्य में अफसर-नेता और सफेदपोश अपराधियों के गठजोड़ की जाँच में लगा है। देखते हैं आगे क्या होता है।

आईपीएस पर खुफ़िया तंत्र की निगाह

कहते हैं छत्तीसगढ़ के एक सीनियर आईपीएस पर केंद्रीय खुफ़िया तंत्र की निगाह टिकी है। इस आईपीएस के बारे में पिछले कुछ महीनों के भीतर दिल्ली से लेकर रायपुर तक खुफ़िया जानकारी जुटाई गई। इसमें राज्य सरकार से रिश्ते, उनके फैसले और राज्य में कानून-व्यवस्था पर नियंत्रण में उनकी भूमिका का आंकलन किया गया। कहा जा रहा है आईपीएस के बारे में खुफ़िया तंत्र को कोई खास जानकारी नहीं मिल पाई। इसके कारण मामला आगे नहीं बढ़ पाया , लेकिन खुफ़िया तंत्र आईपीएस पर लगातार वाच किए हुए है।

दावेदारों की होड़

विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे कांग्रेस के भीतर दावेदारों की होड़ लगती जा रही है। कहते हैं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के एक करीबी नेता भाटापारा से दावेदारी कर रहे हैं, वहीँ पिछली बार कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़े नेता भी ताल ठोंक रहे हैं। बलौदाबाजार सीट के लिए भी कई दावेदार सामने आने लगे हैं। टिकट के इच्छुक कांग्रेस नेता दौरे कर अपनी जमीन तैयार करने लग गए हैं। कहते हैं जिन विधानसभा सीटों में कांग्रेस के विधायक नहीं हैं, वहां दावेदारों की भीड़ ज्यादा है। इसमें अकलतरा, धमतरी से लेकर जांजगीर तक शामिल हैं। समय बताएगा किस दावेदार की लाटरी लगती है।

जगदलपुर। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने जगदलपुर में लोकसभा कोर कमेटी की बैठक ली एवं उसमें अपना मार्गदर्शन दिया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, प्रदेश सह प्रभारी नितिन नवीन, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल संगठन महामंत्री पवन साय ,वरिष्ठ भाजपा नेता राम विचार नेताम, मोतीलाल साहू ,प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप,भाजपा राष्ट्रीय समिति सदस्य सुश्री लता उसेंडी, किरण देव सहित वरिष्ठ पदाधिकारी माजूद रहे।

छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी सैलजा का दौरा कार्यक्रम

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी सैलजा 14 फरवरी मंगलवार को दोपहर 1.35 बजे इंडिगों की नियमित विमान सेवा द्वारा नई दिल्ली से रायपुर पहुंचेंगी एवं सर्किट हाउस के लिये रवाना होगी। 85 वां महाविधेशन की तैयारियों की समीक्षा एवं कार्यस्थल का निरीक्षण करेगी। 15 फरवरी बुधवार को 85 वां महाविधेशन की तैयारियों की समीक्षा एवं कार्यस्थल का निरीक्षण करेगी। शाम 6 बजे इंडिगो की नियमित विमान सेवा द्वारा रायपुर से नई दिल्ली के लिये रवाना होगी।

नगर पंचायत अभनपुर बनेगा नगरपालिका

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने महत्वाकांक्षी भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान आज रायपुर जिले के अभनपुर विधानसभा के ग्राम खोरपा में छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों से भेंट-मुलाकात शुरूआत की। उन्होंने शासन द्वारा संचालित योजनाओं को फीड बैक लिया तथा 66 करोड़ 38 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों और फैसलों के कारण राज्य में अब तक सर्वाधिक धान की खरीदी हुई है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल भेंट-मुलाकात को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार बनते ही सबसे पहले हमने ऋण माफी का फैसला किया, शपथ ग्रहण करते ही सबसे पहले मंत्रालय पहुँचकर 19 लाख किसानों का साढ़े 9 हजार करोड़ रूपए का ऋण माफ किया। जिन किसानों ने धान बेचा था और जिनका कर्ज पटा दिया गया था, उनकी राशि वापस लौटाई गई। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की, किसानों को राजीव गांधी किसान

न्याय योजना में इनपुट सब्सिडी दी। इस योजना की 3 किस्त की राशि किसानों के खाते में आ गई है। योजना की आखिरी और चौथी किस्त 31 मार्च को दी जाएगी।

श्री बघेल ने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं से किसानों के जीवन में काफी परिवर्तन आया है। मुख्यमंत्री ने कहा हमारी मंशा है सबको राशन मिले, हमने सबका राशन कार्ड बनाया। उन्होंने राशन कार्ड के हितग्राहियों से बातचीत कर योजना का फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने लोगों से पूछा किनका-किनका कर्ज माफ हुआ है। इस पर बड़ी संख्या में लोगों ने हाथ उठाकर बताया कि उनका कर्ज माफ हुआ है। अभनपुर विधायक धनेंद्र साहू भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात के दौरान अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि ग्राम खोरपा में उप तहसील कार्यालय एवं स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय खोला जायेगा। ग्राम सारखी में जिला सहकारी बैंक की शाखा, ग्राम सलोनी से कोलर तक नयी सड़क निर्माण, नगर पंचायत अभनपुर को नगरपालिका का दर्जा, अभनपुर के 30 बिस्तर अस्पताल की क्षमता 50 बिस्तर, ग्राम बेंद्री में नया उप स्वास्थ्य केंद्र, ग्राम कोलर खोरपा में आई.टी.आई. का निर्माण करने की घोषणा मुख्यमंत्री ने की।

सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से भेंट-मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज रायपुर जिले के अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तामासिवनी और खोरपा में आम जनता से भेंट-मुलाकात के पश्चात शाम को अभनपुर विश्राम भवन में विभिन्न समाज एवं संगठनों के प्रतिनिधिमंडल से भेंट-मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान सभी समाज के प्रतिनिधियों से सामाजिक कार्यों, मांगों और स्थानीय समस्याओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान सामाजिक प्रतिनिधियों से शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के बारे में चर्चा कर फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से अभनपुर नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने मुलाकात कर अभनपुर नगर पालिका घोषित किए जाने पर उनका गजमाला पहनाकर आभार व्यक्त किया। नेकी की कुटिया, सतनाम भवन के दिव्यांग बच्चों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। मुख्यमंत्री से कसेर समाज के प्रतिनिधियों ने मुलाकात कर नयापारा नगर में सामाजिक भवन के लिए राशि मंजूर करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल के आग्रह पर 30 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ सोनकर समाज के सामाजिक भवन के लिए 25 लाख रूपए, ढीमर समाज के सामाजिक भवन के लिए 25 लाख रूपए, गोबरा नवापारा में कहार समाज के सामाजिक भवन के लिए 20 लाख रूपए स्वीकृत किए।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

भाजपा नेता की नक्सल हत्या निंदनीय - कांग्रेस

रायपुर। नारायणपुर मे भाजपा नेता की नक्सलियों द्वारा की गयी हत्या की कांग्रेस ने कड़ी निंदा किया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा नेता की हत्या बेहद ही दुखद और नक्सलियों का कायराना कृत्य है। इस हत्या पर भाजपा नेताओं विशेष कर रमन सिंह द्वारा की जा रही बयानबाजी बेहद ही स्तरहीन और आपत्ति जनक है। जिन रमन सिंह के राज में जीरम जैसा क्रूर नरसंहार हुआ जिसमें कांग्रेस के 32 नेताओं की शहादत हुई वे किस नैतिकता से नक्सली हत्या को राजनीति से जोड़ रहे है? प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा नेता भूल रहे कांग्रेस सरकार की नीति के कारण विगत 4 साल में संपूर्ण छत्तीसगढ़ सहित बस्तर में हो रहे विकास कार्यों से नक्सल गतिविधियों में कमी आई है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार नक्सल घटनाओं में 80 प्रतिशत और शहादत में 52 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। बस्तर के विकास में आम जनता की सहभागिता से नक्सलियों का मनोबल टूटा है। नक्सली इलाकों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बिजली-पानी, सड़क, पुल-पुलिया के निर्माण में तेजी से नक्सल प्रभाव सिकुड़ रहा है।

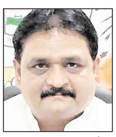

रायपुर दक्षिण विधानसभा की सड़क का डामरीकरण करेगा पीडब्ल्यूडी विभाग

रायपुर। भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के प्रयासों से रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में 802.57 लाख रुपये से 22.95 किलोमीटर सड़क डामरीकरण की प्रशासनिक स्वीकृति आदेश लोक निर्माण विभाग ने जारी कर दिया है। श्री अग्रवाल ने बताया कि उनके विधानसभा क्षेत्र में ज्यादातर सड़कों को नगर निगम में विभिन्न योजनाओं के तहत खुदाई कर दी है, उसे न तो रिपेरिंग किया और न ही पुनः डामरीकरण कांक्रीटीकरण कर बनाया गया। आम जनता धूल व गड्ढों से परेशान है। नगर निगम इन सड़कों का पुनः निर्माण नहीं कर पा रही है इसीलिए उन्होंने लोक निर्माण विभाग मंत्री को 22-23 के बजट में इन सभी सड़को को शामिल करने प्रस्ताव दिया था और प्रस्ताव बजट में शामिल किया गया था। लोक निर्माण विभाग के द्वारा संत भक्त माता कर्मा वार्ड चंगोराभाठा, पी एस सिटी के 8.5 किलोमीटर सड़को के डामरीकरण कार्य हेतु 263.85 लाख रूपये, ब्राह्मणपारा- कंकालीपारा के आंतरिक सड़को के डामरीकरण 7.425 किलोमीटर हेतु 271.04 लाख रुपए व टिकरापारा-मठपारा आंतरिक मार्ग 7 किलोमीटर सड़क के डामरीकरण हेतु 276.68 लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति जारी कर दी है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी नड्डा ने बस्तर में फिर झूठ परोसा - कांग्रेस

रायपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी नड्डा ने बस्तर में फिर से झूठ परोसा। 15 साल के भाजपा के कुशासन और बस्तर के शोषण के लिये जे.पी नड्डा ने माफी नहीं मांग कर बस्तरवासियों के जले पर नमक छिड़का है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी नड्डा ने बस्तर में दिये गये भाषण में गलत बयानी कर छत्तीसगढ़ की माताओं बहनों का अपमान किया है। जे.पी नड्डा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बलात्कार के मामले बढ़े है जबकि खुद उनके केन्द्र सरकार के गृह विभाग से जारी एनसीआरबी के आंकड़े बताते है छत्तीसगढ़ में बलात्कार के मामलों में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद आधा हो गये है। खुद केंद्रीय गृह राज्य मंत्री इस बात को मानते है कि राज्य में नक्सल घटनाओं में 80 प्रतिशत की कमी आई है उसके बाद स्वयं भाजपाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर बैठा झूठ कैसे बोल सकता है? डकैती, हत्या, अपहरण जैसे अपराधों में भी छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद कमी आई है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि आरक्षण संशोधन विधेयक पर क्यों चुप रहे। जे.पी नड्डा आदिवासियों का 32 प्रतिशत आरक्षण, एसटी का 13 प्रतिशत, ओबीसी का 27 प्रतिशत, इडब्लूएस का 4 प्रतिशत आरक्षण भाजपा के षडयंत्र के कारण राजभवन में लंबित है।

मोदी देश में सबके साथ चल रहे हैं- असगर अली

रायपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष असगर अली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सभी अल्पसंख्यक समुदाय के साथ पारिवारिक विश्वास और अपनत्व की भावना कायम रखने का स्वागत करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत की वसुधैव कुटुम्बकम की संस्कृति की कीर्ति दुनिया भर में फैला रहे हैं। जरूरतमंद देशों की आम जनता की मदद कर रहे हैं और देश में हर तबके की तरक्की के साथ सामाजिक समरसता की नित नई मिसालें पेश कर रहे हैं। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष असगर अली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मुंबई में सैफी अकादमी के जलसे में दाऊदी बोहरा समाज से पारिवारिक नाता बताने हवाला देते हुए कहा कि जब मोदी जी किसी भी समाज के बीच जाते हैं तो दुनिया के सबसे मजबूत लोकतंत्र के ताकतवर प्रधानमंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि अपनेपन के साथ मिलते हैं। यही सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की वह नजीर है, जो इस देश के अल्पसंख्यक समुदाय ने पहले कभी नहीं देखी। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष असगर अली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नजर में सभी एक समान है। उनकी योजनाएं, उनका अपनत्व हर समुदाय के बीच समान रूप से पहुंच रहा है। यह इस देश के चौतरफा विकास की गारंटी है। सारा देश मोदी जी के साथ चल रहा है क्योंकि मोदी देश में सबके साथ चल रहे हैं।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दी सागर साहू को विनम्र श्रद्धांजलि

नारायणपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा नारायणपुर जिला भाजपा उपाध्यक्ष सागर साहू को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। उन्होंने स्वर्गीय सागर साहू के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें विश्वास दिलाया कि उनके परिवार के साथ पूरी भाजपा खड़ी है। उन्होंने भाजपा जिला उपाध्यक्ष स्वर्गीय सागर साहू को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि हमारे साथी सागर साहू जो हमारे जिला उपाध्यक्ष थे, उनकी नक्सलियों ने निर्मम हत्या कर दी है। एक साथी के बिछड़ने का गम हमको है, हम सब गमगीन हैं। उन्होंने कहा कि मुझे कल रात पता चला कि हमारे साथी की नक्सलियों ने हत्या कर दी। जब मैं जगदलपुर आ रहा था, तब मैंने कहा कि मैं जरूर जाऊंगा और अपने साथी को अंतिम विदाई देने नारायणपुर आऊंगा। उन्होंने कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति दें। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में वर्तमान कांग्रेस सरकार में नक्सली हमले लगातार बढ़ रहे हैं और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को टारगेट कर रहे हैं।

लोक अदालत के 3 खंडपीठ में हुआ मामलों का शीघ्र निपटारा

- **एसबीआई ऋण समाधान योजना में ग्राहकों को वसूली ऋण और ब्याज में छूट मिला**

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। पेंड्रारोड के तीन न्यायालयों में आज 11 फरवरी को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन गया। अपर जिला एवं सत्र न्यायालय पेंड्रारोड में राजीनामा योग्य पंजीकृत 2 प्रकरण में पांच हजार रूपए जुर्माना जमा किया गया।, मोटर व्हीकल एक्ट के एक प्रकरण में पीड़ित पक्ष को 12 लाख 25 हजार रूपए, दूसरे प्रकरण में पीड़ित पक्ष को दो लाख 89 हजार रूपए प्रदाय किया गया। वसूली के 4 प्रकरण में बीमा कंपनियों से पीड़ित पक्ष को एक लाख 60 हजार रूपए प्रदाय किए गए। इसी प्रकारण लोक अदालत खंडपीठ 26 पेण्ड्रारोड में समझौता योग्य मारपीट के 19 प्रकरणों में राजीनामा हुए। चेक बाउन्स के 6 केस में पीड़ित पक्षकारों को दो लाख 97 हजार रूपए प्रदाय किए गए। थानों से प्राप्त मोटर व्हीकल के 59 प्रकरण में 15 हजार 800 और शराब-जुआ के 23 प्रकरणों में 32 हजार 400 रूपए जमा किए गए। लोक अदालत खंडपीठ 27 पेण्ड्रारोड में आईपीसी एक्ट के तहत 28 केस, चेकबाउन्स के 2 केस, जमीन विवाद के 4 केस में आपसी समझौता और राजीनामा से प्रकरणों का निराकरण किया गया। मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कुल 14 हजार 400 रूपए जमा किए गए।भारतीय स्टेट बैंक की ऋण समाधान योजना के तहत ग्राहकों को मूल ऋण में छूट और ब्याज में पूरी छूट मिलता है। यह योजना 31 मार्च 2023 तक संचालित है। ग्राहक अपने ऋण का भुगतान संबंधित एसबीआई शाखा में जाकर जमा कर सकता है और योजना का लाभ प्राप्त कर सकता है। लोक अदालत में भारतीय स्टेट बैंक के स्टॉल में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के तीन प्रकरण प्राप्त हुए। फील्ड आफिसर द्वारा दी गई जानकारी अनुसार पहले केस में दो लाख 64 हजार 034 रूपए में 64 हजार रूपए का छूट मिला।

शिल्पकारों से रूबरू होकर शिल्पकलाओं की बारीकियों की ली जानकारी

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति गोस्वामी पहुंचे शिल्पनगरी

- **बस्तर की समृद्ध शिल्पकलाओं का अवलोकन कर मुक्तकंठ से सराहा**

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश न्यायमूर्ति श्री अरूप कुमार गोस्वामी सपत्नीक शिल्प नगरी कोण्डागांव पहुंचकर शिल्पकारों से रूबरू हुए और जनजातीय शिल्पकलाओं की बारीकियों के बारे में जानकारी ली। उन्होने राज्य स्तरीय अवार्डप्राप्त बेलमेटल शिल्पकारों फूलसिंह सागर एवं बजरंग कुलदीप तथा अमिन नेताम, अमृत बघेल द्वारा तैयार की जा रही कलाकृतियों का तन्मयता के साथ अवलोकन किया और बेहतरीन कारीगरी सहित सुंदर एवं आकर्षक बनावट की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। इसके साथ ही चीफ जस्टिस श्री गोस्वामी ने शबरी एम्पोरियम में बेलमेटल, काष्ठशिल्प, तुमाशिल्प, बांस शिल्प, लौह शिल्प, टेराकोटा इत्यादि बस्तर की समृद्ध शिल्पकलाओं का सूक्ष्मता के साथ अवलोकन किया और इन बेजोड़ कलाकृतियों एवं शिल्पकारों के हुनर को सराहा।

इस दौरान उन्होने बेलमेटल शिल्प, तुमा शिल्प, बांस शिल्प एवं लौह शिल्प की कलाकृतियों का क्रय किया। जहां उन्होने बेलमेटल से बनी जनजातीय वाद्य यंत्र तोड़ी, तुमा शिल्प का लेम्प, बांस शिल्प की बांसुरी सहित लौह शिल्प से बनी लामन दीया खरीदा। इस मौके पर कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने अवगत कराया कि बस्तर की प्रसिद्ध लोकगाथा झिटकू-मिटकी के मुख्य पात्रों के नाम पर गठित झिटकू-मिटकी शिल्पकार उत्पादक कम्पनी राज्य की एकमात्र शिल्पकारों की कम्पनी है, जो यहां के शिल्पकारों को अपने उत्पादों के विक्रय सहित उनकी ट्रेनिंग से लेकर डिजायनिंग और वैश्विक मार्केटिंग तक सहयोग प्रदान कर रही है। जिससे यहां के शिल्प उत्पादों को देश-विदेश में पहुंचाने सहित शिल्पकारों को उनकी मेहनत का समुचित प्रतिफल सुलभ हो रहा है। उन्होने बताया कि शिल्प नगरी के इस कम्पनी में बेजोड़ हुनरमंद नेशनल तथा स्टेट अवार्डधारी शिल्पकार हैं, जिनकी अनूठी कलाकृतियां अब पूरे विश्व में प्रसिद्ध हो चुकी हैं।

इस दौरान छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल अरविंद वर्मा, जिला एवं सत्र न्यायधीश उत्तरा कुमार कश्यप, कलेक्टर श्री दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल, सीईओ जिला पंचायत प्रेम प्रकाश शर्मा सहित जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे।

आर.एन.आई. रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.